A Daily News Magazine
भोपाल
शनिवार, 11 जनवरी, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-132 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

यूएस में थर्ड-पार्टी फैक्ट-चेक बंद; भारत में क्या होगा?

सत्य ब्यूरो

ऐसे में जब बड़े पैमाने पर फ़ेक न्यूज़ फैलाई जा रही हो और फैक्ट चेक यूनिट बंद हो जाएँ या उनका संचलान बड़े पैमाने पर प्रभावित हो तो विश्वसनीय सूचनाओं और जानकारियों की क्या स्थिति होगी? कम से कम भारत में ऐसी आशंका को लेकर तब चिंताएँ पैदा होने लगीं जब मेटा ने अमेरिका में अपने थर्ड-पार्टी फैक्ट-चेकिंग कार्यक्रम को ख़त्म करने की घोषणा कर दी है। हालाँकि, इसने भारत में इस तरह के कार्यक्रम को बंद करने की घोषणा नहीं की है, लेकिन यहाँ के फ़ैक्ट चेकरों में घबराहट है। ऐसा इसलिए कि यदि भारत में मेटा ने कभी इस तरह का क़दम उठा लिया तो फैक्ट चेकरों को मिलने वाले फंड पर असर पड़ सकता है और इसके अलावा इन फ़ैक्ट चेकिंग वेबसाइटों की रीडरशिप या व्यूअरशिप प्रभावित हो सकती है।

फैक्ट चेकिंग यूनिट और वेबसाइटों पर इस तरह का असर बड़ा प्रभाव डालने वाला हो सकता है। ख़ासकर ऐसा इसलिए कि सोशल मीडिया के इस दौर में एक्स से लेकर फ़ेसबुक और वाट्सऐप पर फ़ेक न्यूज़ और ग़लत सूचनाओं की बाढ़ आई हुई है। किस पर भरोसा करें और किस पर नहीं, यह बड़ी चिंता का विषय है। हालाँकि, यूज़रों का एक बड़ा वर्ग इन ग़लत सूचनाओं और फ़ेक न्यूज़ को ही सच मान बैठता है। अब जाहिर है इसके नतीजे तो भयावह होंगे ही।

सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस केवी विश्वनाथन ने कुछ महीने पहले ही मिसइंफर्मेशन यानी ग़लत सूचना को लेकर बड़ी चिंता जाहिर की और उन्होंने कहा था कि ग़लत सूचना ने लोगों को ध्रुवीकृत कर दिया है, और इससे एक खास तरह की राय बनायी जा रही है। जस्टिस केवी विश्वनाथन ने कहा कि ग़लत सूचना सबसे गंभीर जोखिम के रूप में उभरी है और यह क़ानून के शासन को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। उन्होंने कहा कि यह राज्य और इसकी कानूनी प्रणाली को उलझन में डाल सकती है।

जस्टिस विश्वनाथन ने कहा था, 'हम डिजिटल युग के महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं। यह सूचना का विस्फोट है। एक्स, फेसबुक, व्हाट्सऐप और यूट्यूब जैसे सूचना के गैर-पारंपरिक माध्यम बहुत तेज़ गति से सूचना फैलाने में सक्षम हैं।' उन्होंने कहा कि सूचना के इसी रूप से राज्य और कानूनी प्रणाली खुद को एक उलझन में पाती है क्योंकि ग़लत सूचना काफी तेजी से फैलती है। उन्होंने कहा कि यह अन्य मामलों के अलावा कानून के शासन को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। एकमात्र सवाल यह है कि इसे कौन और कैसे रोकेगा।

जाहिर तौर पर इसको रोकने का सबसे बेहतर तरीक़ा फैक्ट चेक करना ही हो सकता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत में उभरे कई फ़ैक्ट-चेकर मेटा से मिलने वाले फंड पर बहुत अधिक निर्भर हैं। अमेरिका में कंपनी के रुख के किसी भी संभावित प्रभाव का मतलब होगा कि इन फ़ैक्ट चेकरों के काम पर बुरा असर पड़ेगा। द इंडियन एक्सप्रेस ने एक फैक्ट-चेकिंग संगठन के वरिष्ठ कार्यकारी के हवाले से रिपोर्ट दी है कि 'यह अस्तित्व पर संभवतः सबसे बड़ा खतरा है जिसका सामना कई फैक्ट चेकर्स को करना होगा।'

मेटा के सह-संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स सहित मेटा प्लेटफॉर्म पर कई प्रमुख कंटेंट-संबंधी बदलावों की घोषणा की। उनमें से प्रमुख मेटा का अमेरिका में अपने थर्ड-पार्टी फैक्ट चेकिंग कार्यक्रम को ख़त्म करने का निर्णय है।

जुकरबर्ग ने कहा है कि कंपनी अब एलन मस्क की कंपनी 'एक्स' के कम्युनिटी नोट्स की तरह कम्युनिटी-आधारित प्रणाली पर जाने की सोच रही है।

जुकरबर्ग ने एक वीडियो में कहा, 'हम अपनी जड़ों की ओर वापस लौटेंगे और ग़लतियों को कम करने, अपनी नीतियों को सरल बनाने और अपने प्लेटफॉर्म पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बहाल करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ...सबसे पहले, हम फैक्ट-चेकरों से छुटकारा पाने जा रहे हैं और उन्हें अमेरिका से शुरू करते हुए एक्स के समान सामुदायिक नोट्स से बदल देंगे।' मेटा ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा, 'एक्स पर जिस तरह से वे करते हैं, सामुदायिक नोट्स को पक्षपातपूर्ण रेटिंग को रोकने में मदद करने के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों वाले लोगों के बीच सहमति की ज़रूरत होगी।'

भले ही मेटा के थर्ड-पार्टी फैक्ट चेकिंग प्रोग्राम को ख़त्म करने का निर्णय फ़िलहाल संयुक्त राज्य अमेरिका तक ही सीमित है, लेकिन भारत में इसी तरह के बदलाव करने में समय लगेगा। एक अंग्रेज़ी अख़बार ने फ़ैक्ट चेकरों से बातचीत के आधार पर कहा है कि अगर ऐसा होता है तो दो प्रमुख चिंताएँ हैं- फंडिंग और लोगों की नज़र। फ़ैक्ट चेकरों ने कहा कि कई भारतीय संस्थाओं के लिए मेटा के थर्ड-पार्टी फैक्ट चेकिंग प्रोग्राम का हिस्सा बनना ही फंडिंग का एकमात्र स्रोत है। इसके बंद होने पर उन्हें अपनी दुकान बंद करनी पड़ेगी।

दूसरा यह है कि ये फ़ैक्ट चेकर अपने काम पर नज़र रखने के लिए मेटा प्लेटफ़ॉर्म पर भी निर्भर करते हैं। फ़ेसबुक और इंस्टाग्राम उनकी अपनी वेबसाइट पर ट्रैफ़िक लाने के सबसे बड़े ज़रिया हैं, और अगर उनके फैक्ट-चेक प्लेटफ़ॉर्म से गायब हो जाते हैं, तो इससे उनकी वेबसाइट पर आने वाले लोगों की संख्या पर गंभीर असर पड़ सकता है।

रिपोर्ट है कि मेटा इंटरनेशनल फ़ैक्ट-चेकिंग नेटवर्क द्वारा प्रमाणित फ़ैक्ट चेकरों के साथ काम करता है, जो मूल रिपोर्टिंग के माध्यम से मेटा प्लेटफ़ॉर्म पर पोस्ट की सटीकता की समीक्षा और रेटिंग करते हैं। भारत में, मेटा के पास वर्तमान में 12 ऐसे फ़ैक्ट चेकिंग पार्टनर हैं, जिनमें पीटीआई, एएफ़पी, इंडिया टुडे फ़ैक्ट चेक, द क्विंट जैसे कुछ मुख्यधारा के प्रकाशक शामिल हैं। इनमें कई छोटी फ़र्म भी हैं।

वैसे, भारत में फैक्ट चेकिंग यूनिट पर संकट के बादल देश के अंदर भी मंडराते रहे हैं। सरकार समय-समय पर क़ानून में बदलाव कर ऐसा करने की कोशिश की। केंद्र सरकार ने 2023 में आईटी नियमों में संशोधन किया था। सरकार आईटी एक्ट में संशोधन के ज़रिए सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफार्म पर झूठी या फर्जी खबरों की पहचान करने के लिए फैक्ट चेक यूनिट बना सकती थी। सरकार के इस फ़ैसले की आलोचना की गई। आईटी नियमों में संशोधन को कोर्ट में चुनौती देने वाली याचिका में तर्क दिया गया कि फेक न्यूज तय करने की शक्तियां पूरी तरह से सरकार के हाथ में होना प्रेस की आजादी के विरोध में है।

याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने आईटी एक्ट में किए गए संशोधन को असंवैधानिक बताते हुए इसे रद्द कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि आईटी एक्ट में संशोधन जनता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है और संशोधित आईटी नियम सेंसरशिप के समान हैं।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

मुझसे भी गलतियां होती हैं, मनुष्य हूँ, देवता नहीं

पीएम बोले-राजनीति में युवा मिशन लेकर आएं, एंबीशन नहीं

अपने पहले पॉडकास्ट में मोदी ने हर मुद्दे का दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामत के साथ पॉडकास्ट किया। कामथ ने गुरुवार को इसका ट्रेलर जारी किया। इसमें पीएम मोदी कहते हैं कि उनसे भी गलतियां होती हैं वे मनुष्य हैं, देवता नहीं। यह पीएम मोदी का पहला पॉडकास्ट इंटरव्यू है। इस इंटरव्यू में पीएम दुनिया में युद्ध की स्थिति, राजनीति में युवाओं की भूमिका, अपने पहले और दूसरे कार्यकाल के अनुभवों और व्यक्तिगत सोच पर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। राजनीति में युवाओं के आने पर उन्होंने कहा कि युवा राजनीति में मिशन लेकर आएं, एंबीशन (महत्वाकांक्षा) लेकर नहीं। वीडियो में कामथ कहते हैं- मैं यहां आपके सामने बैठा हूं और बात कर रहा हूं, मुझे घबराहट हो रही है। यह मेरे लिए एक कठिन बातचीत है। इस पर पीएम मोदी ने जवाब दिया कि-यह मेरा पहला पॉडकास्ट है, मुझे नहीं पता कि यह आपके दर्शकों को कैसा लगेगा। पीएम मोदी ने भी ट्रेलर को पोस्ट करते हुए लिखा- मुझे आशा है कि आप सभी इसका उतना ही आनंद लेंगे, जितना हमें आपके लिए इसे बनाने में आया! प्रधानमंत्री के रूप में पहले और दूसरे टर्म को लेकर पीएम ने कहा-पहली टर्म में तो लोग मुझे भी समझने की कोशिश करते थे और मैं भी कोशिश कर रहा था।

मुख्यमंत्री ने किया दो दिवसीय आईएफएस मीट और वानिकी सम्मेलन का शुभारंभ

वन क्षेत्र और वन्य जीवों की गतिविधियों में वृद्धि प्रदेश की उपलब्धि : सीएम डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी के पंडित खुशीलाल आयुर्वेद महाविद्यालय में आयोजित आईएफएस सर्विस मीट का शुक्रवार को शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने रातापानी टाइगर रिजर्व घोषित करने में आई चुनौतियों पर चर्चा की और कहा-कागज के खिलौनों को सांप बताकर डराया जा रहा था, लेकिन अब टाइगर के साथ किंग कोबरा की जरूरत है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के पन्ना जैसे क्षेत्र जहां वन्य जीवों की स्थिति शून्य हो गई थी, वहां भी वन अधिकारियों के प्रयासों के परिणामस्वरूप वन्य जीवों की गतिविधियां पुनः आरंभ हुईं, यह अपनी सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है और वे बधाई के पात्र हैं। वर्तमान में प्रदेश के पास हीरा है, चीता है और अब तो गजराज भी मध्यप्रदेश का रूख कर रहे हैं। प्रदेश का वन क्षेत्र समृद्ध है। वर्ष 2003 से 2021 के मध्य वन क्षेत्र में 1063 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है। भोपाल देश की एकमात्र ऐसी राजधानी है, जिसके आस-पास आसानी से टाइगर देखे जा सकते हैं। यह हमारे प्रदेश के लिए सुखद और पर्यावरण की दृष्टि से बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पंडित खुशीलाल आयुर्वेद महाविद्यालय सभागार में दो

दिवसीय आई.एफ.एस (भारतीय वन सेवा) मीट और वानिकी सम्मेलन के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ कर तथा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर मार्ल्यापण कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। सम्मेलन में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार, अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक वर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री असीम श्रीवास्तव तथा अन्य आई. एफ.एस. अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को रूद्राक्ष का पौधा भेंटकर उनका स्वागत किया गया। सीएम ने वन अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से अनुभव साझा होते हैं, जिससे काम में सुधार आता है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में जंगल का क्षेत्रफल 1063 वर्गमीटर बढ़ा है, जिसके लिए वन विभाग की सराहना की। साथ ही, उन्होंने पर्यटन से जुड़े संभावित क्षेत्रों की जानकारी सरकार तक पहुंचाने का निर्देश दिया। सीएम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली की प्रशंसा की और कहा कि पीएम मोदी ने कभी भी अपने मूल सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। आईएफएस सर्विस मीट में सीएम का स्वागत पौधा देकर किया गया।

सुप्रभात

गहन रात
सूनी दोपहर
अकेले अनमने ऊंघते घर
गूंजती एक आवाज़
होती अपरिचित पदचाप
चौंकाता एक चरित्र
चौखट पर
डूबती परछाई..
किसकी आंखों में शेष रहा
छूटे गांव का आखिरी कोना
कौन बना बंजारा
किसकी जड़ों को
विश्राम मिला
स्मृति कहो तुम
दूर द्वार पर
दहलीज़ पर अपनी
कौन रहा अपरिचित यहां..!
आंगन, चौबारा, तुलसी, बूढ़ा वट
तुमसे छूटी नहीं वह चौखट
लौटे तुम और छूटे क्षण
कौन पुकारता तुम्हें यहां..
कौन पूछता तुम्हें यहां..!

– सारंग उपाध्याय

कैलीफोर्निया की आग 40 हजार एकड़ में फैली

- 10 हजार इमारतें तबाह, 30 हजार घरों को नुकसान
- 10 की मौत, 29 हजार एकड़ का इलाका हुआ खाक

लॉस एंजिलिस (एजेंसी)। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में लॉस एंजिलिस के चारों तरफ लगी आग से हुई मौतों का आंकड़ा शुक्रवार को बढ़कर 10 हो गया। यह कैलिफोर्निया में अब तक की सबसे बड़ी आग है। पिछले 4 दिन से लगी आग लगभग 40 हजार एकड़ में फैली हुई है। 29 हजार एकड़ का इलाका पूरी तरह जल चुका है। आग से करीब 10 हजार इमारतें तबाह हो चुकी हैं, जबकि 30 हजार घरों को नुकसान पहुंचा है। करीब 50 हजार लोगों को तुरंत घर खाली करने को कहा गया है। करीब 3 लाख लोगों को सुरक्षित जगह जाने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन ने शनिवार तक आग के और फैलने की चेतावनी दी है। लॉस एंजिलिस काउंटी के शेरिफ रॉबर्ट लूना ने कहा कि आग देखकर ऐसा लग रहा है जैसे इन इलाकों में परमाणु बम गिराया गया हो। आग की वजह से लॉस एंजिलिस के ब्रेटनवुड इलाके में बने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के घर को भी खाली करने के निर्देश दिए गए हैं।

मोदी से कहिए मांगें मानें, अनशन तोड़ दूंगा

- डल्लेवाल बोले-ये न हमारा कारोबार, न ही शौक

खनौरी बॉर्डर (एजेंसी)। हरियाणा-पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर 46 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इसके साथ ही कोर्ट में शंभू बॉर्डर खोलने के खिलाफ दायर याचिका पर भी सुनवाई हुई। 6 जनवरी की सुनवाई में पंजाब सरकार ने डल्लेवाल के बातचीत के लिए राजी होने की बात कही थी। जिसके बाद कोर्ट की कमेटी उनसे मिल चुकी है। इससे पहले डल्लेवाल ने एक वीडियो संदेश जारी किया।

बेटियों की पढ़ाई का खर्च उठाना हर पेरेंट्स की जिम्मेदारी

सुप्रीम कोर्ट बोला-अगर बेटी को पैसों की जरूरत नहीं, तो भी उसे फंड पाने का अधिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अपने एक आदेश में कहा कि बेटियों को अपने पेरेंट्स से शिक्षा संबंधी खर्च मांगने का पूरा अधिकार है। जरूरत पड़ने पर माता-पिता को कानूनी तौर पर बाध्य किया जा सकता है कि वे बेटी की शिक्षा के लिए जरूरी रकम दें। कोर्ट ने यह आदेश 26 साल से अलग रह रहे दंपति के मामले में दिया। दंपति की बेटी आयरलैंड में पढ़ रही थी। पिता की तरफ से मां को दिए गए गुजारे भत्ते में बेटी की पढ़ाई के लिए 43 लाख रुपए थे, जिसे बेटी ने अपने आत्मसम्मान का हवाला का देते हुए लेने से इनकार कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जवल भुइयां की बेंच ने कहा- बेटी को ये पैसे रखने का अधिकार है। उसे यह पैसा अपनी मां या पिता को लौटाने की जरूरत नहीं है। वह जैसे चाहे इसे खर्च कर सकती है। 28 नवंबर 2024 को दंपति के बीच एक सेटलमेंट हुआ था, जिस पर बेटी ने भी साइन किया था। इस सेटलमेंट के तहत पति ने कुल मिलाकर 73 लाख रुपए अपनी पत्नी और बेटी को देने पर सहमति जताई थी। इसमें से 43 लाख रुपए बेटी की पढ़ाई के लिए थे। बाकी

पत्नी के लिए थे। कोर्ट ने कहा कि पत्नी को अपने हिस्से के 30 लाख रुपए मिल गए हैं और दोनों पार्टियां पिछले 26 साल से अलग रह रही हैं, ऐसे में कोई कारण नहीं बनता है कि आपसी सहमति से दोनों को तलाक न दिया जाए। बेंच ने कहा कि बेटी ने अपनी गरिमा बनाए रखने के लिए पैसे लेने से इनकार किया। उसने अपने पिता से पैसे वापस लेने को कहा, लेकिन पिता ने भी मना कर दिया। पिता ने बिना किसी कारण के पैसे दिए।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 18 °c
न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 11 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ

भारत के उत्थान की प्रेरणा है राष्ट्र मंदिर

हितानंद शर्मा

(लेखक भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं।)

अद्भुत, अकल्पनीय और अविस्मरणीय वह अभिजीत मुहूर्त, जब प्राण-प्रतिष्ठा कर रामलला के नेत्रों से पट्टिका हटाई गई तब पूरे विश्व में सनातन संस्कृति के उपासकों के नेत्रों में श्रद्धा, आस्था, आनंद और प्रतीक्षा के आँसू थे। पौष शुक्ल द्वादशी, 22 जनवरी 2024 केवल अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के उत्सव का दिवस नहीं, बल्कि संपूर्ण हिंदू समाज की दृष्टि और विचारों के परिवर्तन की उपलब्धि का दिन है। पीढ़ियों की तपस्या, त्याग, बलिदान और प्रतीक्षा के बाद अयोध्या ने इस शुभ घड़ी का स्वागत किया था। भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा से आनंदित, उत्साहित यह वही अयोध्या है जिसके परिचय में अथर्व वेद में उल्लेख आता है कि

अष्ट चक्रा नव द्वारा देवाना पू: अयोध्या।
तस्या हिरण्यमय: कोश स्वर्गो ज्योतिषावृत:।।

अयोध्या, जिसका अर्थ ही है जो अजेय, अपराजित है। सहस्त्रों वर्षो तक अयोध्या अपने स्वर्णिम इतिहास के लिए जानी जाती रही। वही अयोध्या जहाँ हिन्दू समाज के आराध्य श्रीराम जी का जन्म सकल लोक के मंगल हेतु हुआ। इसीलिए गोस्वामी तुलसीदास जी अयोध्या का वर्णन कुछ इस प्रकार करते हैं-

विप्र धेनु सुर संत हित लीन्ह मनुज अवतार।
निज इच्छा निर्मित प्रभु माया गुन गो पार।।

हिन्दू समाज की आस्था के केंद्र, समरसता, नैतिकता व कर्तव्यपालन का बोध कराने वाले श्रीराममंदिर का कालांतर में विध्वंस कर मुगल आक्रांताओं द्वारा गुलामी के प्रतीक के रूप में बाबरी मस्जिद बना दी गई। इसके बाद 1528 से ही आरंभ हुए श्रीराममंदिर आंदोलन का 9 नवम्बर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय पर विराम हुआ। 5 अगस्त 2020 को भूमिपूजन के साथ करोड़ों लोगों ने अपनी भावनाओं ने विविध प्रकार से अभिव्यक्ति की। यह एक ऐसा आंदोलन रहा जिसमें साधु-संतों ने युद्ध भी किया और वे आध्यात्मिक जागरण के केंद्र भी बने। बैरागी अभिराम दास (योद्धा साधु), राममंदिर आंदोलन के शलाका पुरुष महंत रामचन्द्र परमहंस, महंत अवैद्यनाथ व देवरहा बाबा ने संपूर्ण आंदोलन को एक दिशा प्रदान की। कोठारी बंधुओं के बलिदान को हिन्दू समाज भला कैसे विस्मृत कर सकता है? विष्णु डालमिया, अशोक सिंहल वे तेजपुंज हैं, जिन्होंने सनातन ऊर्जा को संग्रहीत कर इस पवित्र कार्य से जोड़ा।

मंदिर आंदोलन के मूल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका से सभी भलीभांति परिचित ही हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने पूरे आंदोलन में जनजागरण करते हुए आस्था के उच्चतम प्रतिमानों को विश्वव्यापी स्वरूप दिया। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सहित विचार परिवार के सभी संगठनों ने अपनी पूर्ण सामर्थ्य के साथ तत्कालीन सरसंघचालक बालासाहब देवरस की मंशा के अनुरूप धैर्यपूर्वक योजनाबद्ध आंदोलन किए। भारतीय जनता पार्टी द्वारा लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में देशव्यापी रथयात्रा ने पूरे भारत में वातावरण का निर्माण किया तो असंख्य कारसेवकों के बलिदान ने राम राष्ट्र के इस यज्ञ में समिधा का कार्य किया।

मंदिर आंदोलन के इतिहास में अनेक बलिदानियों के रक्त व उनके परिजनों के त्याग का बिंदु समाहित है। राममंदिर के प्रति समाज की आस्था इतनी प्रबल रही है कि जब श्रमदान आवश्यक था तब श्रमदान किया। वहीं राष्ट्रमंदिर को भव्यता और दिव्यता देने के लिए निधि समर्पण अभियान में जाति, वर्ग, दल, समूह के सभी बंधनों को ध्वस्त करते हुए जिससे जो बन पड़ा उसने भगवान श्रीराम के चरणों में समर्पण किया।

भारतीय पंचांग के अनुसार पौष शुक्ल द्वादशी को आज ही के दिन जो पिछले वर्ष 22 जनवरी 2024 को थी, भगवान के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा हुई थी। संपूर्ण भारत की आस्था के केंद्र श्रीराम मन्दिर के माध्यम से आध्यात्मिक चेतना को बल मिला और देशवासियों में स्वाभिमान का जागरण हुआ। वहीं जो लोग मन्दिर निर्माण का विरोध कर रहे थे उनके सारे अवरोधों का प्रति

उत्तर भी इस एक वर्ष में मिला। प्राण-प्रतिष्ठा से आज प्रथम वर्षगांठ तक असंख्य दर्शनार्थियों ने न केवल रामलला के दर्शन किए बल्कि अयोध्या सहित आस-पास के क्षेत्र के आर्थिक तंत्र को मजबूत करने में महत्व पूर्ण भूमिका निभाई है।

नागर शैली में निर्मित अलौकिक सुंदरता से परिपूर्ण श्रीराम मंदिर की लंबाई पूर्व से पश्चिम 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट व ऊंचाई 161 फीट है। भव्य तीन मंजिला मंदिर में 392 स्तंभ और 44 द्वार हैं। भूतल में प्रभु श्रीराम का मोहक बाल रूप तो प्रथम तल में श्रीराम दरबार का गर्भगृह है। नृत्य मंडप, रंग मंडप, सभा मंडप, प्रार्थना व कीर्तन मंडप है। उत्तरी भुजा में मां अन्नपूर्णा व दक्षिणी भुजा में हनुमान जी विराजित हैं। मंदिर के समीप ही पौराणिक काल का सीताकूप रहेगा। 732 मीटर लंबे व 14 मीटर चौड़े चहुंमुखी आयताकार परकोटे के चार कोनों पर भगवान सूर्य, मां भगवती, गणपति व भगवान शिव का मंदिर बनेगा। मंदिर परिसर में ही महर्षि वाल्मिकी, महर्षि वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य, निषादराज, माता शबरी व देवी अहिल्या के मंदिर प्रस्तावित हैं।

यह मात्र एक मंदिर नहीं बल्कि भारत की संस्कृति और अस्मिता का प्रतीक है। एक स्वाभिमानी राष्ट्र अपने ऐसे ही प्रतीकों से ऊर्जा प्राप्त करता है। राम मंदिर भारत की चेतना का पर्याय है और इसका भी कि राम जन-जन की स्मृति में कितने गहरे रचे-बसे हैं। यह आधुनिक विश्वऔ के इतिहास में पहली बार है, जब किसी समाज ने अपने प्रेरणा पुरुष के जन्मस्थान एवं उनके उपासना स्थल को अतिक्रमण और अवैध कब्जे से न्यायपूर्वक छुड़ाने में सफलता प्राप्त की।

प्राण-प्रतिष्ठा उत्सव में उमड़ा भावनाओं का ज्वार ऐसे अनेक प्रश्नों का उत्तर दे रहा था कि राम मंदिर का निर्माण क्यों आवश्यक था और हिंदू समाज उसके लिए इतनी व्यग्रता से क्यों प्रतीक्षा कर रहा था? अच्छा होता कि यह प्रतीक्षा स्वतंत्रता के बाद ही पूरी हो जाती, किंतु संकीर्ण राजनीतिक कारणों और कथित सेक्युलरिज्म की विजातीय-विकृत अवधारणा के चलते ऐसा नहीं हो सका। यह विडंबना ही रही कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की हिंदू समाज की सदियों पुरानी स्वाभाविक अभिलाषा की अनदेखी की गई।

जिस अयोध्या को अवनी की अमरावती और धरती का बैकुंठ कहा गया, वह सदियों तक अभिशप्त थी, उपेक्षित रही, सुनियोजित तिरस्कार झेलती रही। अपनी ही भूमि पर सनातन आस्था पद दलित होती रही, किंतु राम का जीवन हमें संयम की शिक्षा देता है और भारतीय समाज ने संयम बनाए रखा। समय के साथ समाज का संकल्प भी दृढ़ होता गया और आज समस्त सृष्टि अयोध्या के वैभव को निहार रही है। यह धर्म नगरी विश्व की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में प्रतिष्ठित हो रही है।

संकल्प और साधना की सिद्धि के लिए, हमारी प्रतीक्षा की इस समाप्ति के लिए और संकल्प की पूर्णता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों का भी अभिनंदन है। एक दूरदृष्टि लेकर भारत के न भूतो न भविष्यलति के स्वर्णिम अवसर को साकार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। श्री राम जन्मभूमि मंदिर की स्थापना भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आध्यात्मिक अनुष्ठान है। यह राष्ट्र मंदिर है। अब भारत को भव्य बनाने के संकल्प को पूर्ण करने की बारी है और भगवान श्रीराम का मंदिर इसकी प्रबल प्रेरणा है। ऐसा होना निश्चित ही है क्योंकि इस प्राण प्रतिष्ठा से समस्त दिशाओं से शुभ संकेत मिलना आरंभ हो ही चुका है। गोस्वामी तुलसीदास जी की इन पंक्तियों के साथ-

''मोरे जिय भरोस दृढ़ सोई, मिलहि राम सगुन सुभ होई.''

संक्षिप्त समाचार

अलीगढ़ मुस्लिम विवि को बम से उड़ाने की धमकी

अलीगढ़ (एजेंसी)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, इसके बाद ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। असल में कुलपति समेत विश्वविद्यालय के सभी शीर्ष अधिकारियों को ईमेल पर 'परिसर को बम से उड़ाने' की धमकी मिली। पुलिस अधीक्षक (शहर) मृगांक शेखर पाठक ने बताया कि

ईमेल मिलने के बाद कल शाम से ही परिसर और उसके आसपास के सभी संवेदनशील इलाकों में जांच जारी है और अधिकारी इस धमकी को लेकर 'कोई जोखिम नहीं उठा रहे हैं।'

मानवाधिकार आयोग का केंद्र-कर्नाटक सरकार को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने गुरुवार को आयुष्मान भारत योजना से जुड़े एक मामले में केंद्र और कर्नाटक सरकार को नोटिस जारी किया है। आयोग ने एक मीडिया रिपोर्ट का स्वत: संज्ञान लिया है। बेंगलुरु में राज्य सरकार के अस्पताल किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी ने 72 साल

के बुजुर्ग को आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपए का कवर देने से मना कर दिया था। इसके बाद 25 दिसंबर, 2024 को बुजुर्ग ने आत्महत्या कर ली थी। इसी मामले में कर्नाटक सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है।

बांग्लादेश बॉर्डर पर अब बाड़ लगाने को लेकर तनाव

ढाका (एजेंसी)। भारत की ओर से पश्चिम बंगाल राज्य में बांग्लादेश से लगती हुई अपनी सीमा पर बाड़ेबंदी (फैंसिंग) की जा रही है। इसके चलते भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के बीच तनातनी भी हुई है। बीएसएफ ने सोमवार से पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के सुखदेवपुर इलाके में बाड़ लगाना शुरू किया है। इस पर बीजीबी की ओर से आपत्ति जताई गई, जिससे सीमा पर तनाव बढ़ गया।

अब तक 6 लाख 4 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं ने कराई ई-केवायसी

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन की लाभकारी योजनाओं का फायदा लेने के लिए बिजली उपभोक्ताओं को ई-केवायसी कराना अनिवार्य है। उपभोक्ताओं से कहा गया है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 'उपाय' ऐप के जरिए भी ई-केवायसी करा सकते हैं। गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध उपाय ऐप डाउनलोड कर बिजली उपभोक्ता समग्र केवायसी में अपना उपभोक्ता क्रमांक एवं समग्र क्रमांक दर्ज करने के बाद लिंक मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी को दर्ज कर केवायसी प्रक्रिया को पूर्ण कर सकते हैं। केवायसी प्रक्रिया के तहत अब तक 6 लाख 4 हजार 399 उपभोक्ताओं ने सफलतापूर्वक केवायसी करा ली है। कंपनी ने बताया है कि केवायसी प्रक्रिया के तहत नर्मदापुरम ग्रामीण में 71 हजार 140, बैतूल ग्रामीण में 84 हजार 948, राजगढ़ ग्रामीण में 40 हजार 783, शहर वृत्त भोपाल में 49 हजार 170, भोपाल ग्रामीण में 37 हजार 259, गुना ग्रामीण में 31 हजार 838, विदिशा ग्रामीण में 43 हजार 124, सीहोर ग्रामीण में 23 हजार 204, ग्वालियर ग्रामीण में 20 हजार 927, शहर वृत्त ग्वालियर में 38 हजार 240, अशोकनगर ग्रामीण में 18 हजार 558, दतिया ग्रामीण में 22 हजार 133, रायसेन ग्रामीण में 43 हजार 190, शिवपुरी ग्रामीण में 22 हजार 884, हरदा ग्रामीण में 18 हजार 601, श्योपुर ग्रामीण में 8 हजार 966, मुरैना ग्रामीण में 20 हजार 203 और भिण्ड ग्रामीण में 9 हजार 241 बिजली उपभोक्ताओं की केवायसी की गई है।

'भजन की व्यवस्था तेरी, भोजन की व्यवस्था मेरी'

भोपाल। भोपाल में शुक्रवार से सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ जिसमें गौवत्स पंडित अंकितकृष्ण तेनगुरिया बटुक जी महाराज के श्रीमुखारबिंद से कथा श्रवण कराएंगे। कथा के पूर्व भव्य कलश यात्रा शहर के मध्य निकली गई प्रथम दिवस की कथा में पूज्य महाराज जी ने भागवत की महिमा एवं महात्यम की कथा को श्रवण कराते हुए बताया कि भक्त भगवान का भजन करता हे तो उसके भोजन की व्यवस्था स्वयं भगवान करते है, भागवत कथा मुक्ति प्रदान करने वाली है। श्री बटेश्वर भागवत सेवा संस्थान शिष्य मंडल के तत्वावधान में एवं समस्त क्षेत्रवासियों के सहयोग से आयोजित संतोषी माता मंदिर, नवीन नगर भोपाल में सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुक्रवार को प्रथम दिवस साविधि संपन्न हुआ।10 जनवरी 2025 से 16 जनवरी 2025 तक प्रतिदिन कथा होगी, जिसका समय दोप. 01 बजे से शाम 5 बजे रहेगा।

संभल में कुएं की पूजा पर सुप्रीम रोक , योगी सरकार से 2 सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

संभल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने संभल में जामा मस्जिद के पास कुएं पर पूजा की इजाजत देने के नगर पालिका के आदेश पर रोक लगा दी। साथ ही यूपी सरकार को नोटिस जारी कर दो हफ्ते के अंदर स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। नगर पालिका ने इसे सार्वजनिक कुआं बताया था। मस्जिद कमेटी इसके खिलाफ 9 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट गई थी। शुक्रवार को चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने मस्जिद कमेटी की याचिका पर फैसला सुनाया। मामले में अगली सुनवाई 21 फरवरी को होगी। बताया जा रहा है कि पहले आसपास रहने वाले हिंदू समुदाय के लोग शादी में यहां कुआं पूजन करने आते थे। इस समय संभल में प्रशासन जगह-जगह खुदाई करा रहा है। इस बीच नगर पालिका ने इस कुएं को सार्वजनिक बता दिया, जिसके बाद मुस्लिम पक्ष को आशंका हुई कि कहीं इस कुएं को भी न खोद दिया जाए। जामा मस्जिद को लेकर हिंदू

पक्ष का दावा है कि ये पहले हरिहर मंदिर था, जिसे बाबर ने 1529 में तुड़वाकर मस्जिद बनवा दिया। इसे लेकर 19 नवंबर 2024 को संभल कोर्ट में याचिका दायर हुई। उसी दिन सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य सिंह ने मस्जिद के अंदर सर्वे करने का आदेश दिया। कोर्ट ने रमेश सिंह राघव को एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किया। उसी दिन शाम को चार बजे सर्वे के लिए टीम मस्जिद पहुंच गई। 2 घंटे के सर्वे किया। हालांकि उस दिन सर्वे पूरा नहीं हुआ। इसके बाद 24 नवंबर को सर्वे की टीम जामा मस्जिद पहुंची। दोपहर में मस्जिद के अंदर सर्वे हो रहा था। इस दौरान भारी संख्या में लोग जुट गए। भीड़ ने पुलिस की टीम पर पत्थर फेंके। इसके बाद हिंसा भड़क गई। इसमें गोली लगने से 4 लोगों की मौत हो गई। 2 जनवरी को संभल में शाही जामा मस्जिद की 45 पन्नों की सर्वे रिपोर्ट चंदौसी कोर्ट में दाखिल कर दी गई थी। 4.5 घंटे की वीडियोग्राफी और 1200 से अधिक फोटो भी अदालत को दिए गए।

स्कूल में तीसरी की छात्रा बेंच पर बैठते ही जमीन पर गिरी, मौत

- अहमदाबाद के स्कूल में तीसरी की छात्रा को आया अटैक

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद के निजी स्कूल में शुक्रवार को 8 साल की बच्ची की हार्टअटैक से मौत हो गई। गार्गी राणपरा सुबह की पारी में करीब 8 बजे स्कूल पहुंची थी। सीढ़ियां चढ़ते वक्त उसके सीने में अचानक दर्द उठा। दर्द के बाद बच्ची लॉबी की बैंच पर बैठ गई और कुछ ही सेकेंड्स में जमीन पर गिर गई। थलतेज इलाके के स्कूल स्टॉफ ने बच्ची को हॉस्पिटल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक जांच में बच्ची की मौत का कारण कार्डिएक अरेस्ट बताया गया है। यह चौंकाने वाली घटना अहमदाबाद के थलतेज इलाके में स्थित जेबर स्कूल फॉर चिल्ड्रन में सामने आई। जानकारी के अनुसार तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा को सीने में दर्द की शिकायत हुई। इसके बाद उनकी मौत हो गई। छात्रा की पहचान गार्गी रानपारा नाम की एक लड़की ऑटो-रिक्शा से स्कूल पहुंची थी।

बीजेपी का केजरीवाल के घर तक पूर्वांचल सम्मान मार्च

- कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड तोड़े, पुलिस ने वाटर कैनन चलाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता अरविंद केजरीवाल के खिलाफ विरोध मार्च निकाल रहे हैं। यह मार्च अशोक रोड से केजरीवाल के घर तक निकाला जा रहा है। बीजेपी ने इसे पूर्वांचल सम्मान मार्च नाम दिया है। सांसद मनोज तिवारी इसे लीड कर रहे हैं। भाजपा के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन के दौरान बैनर पोस्टर लेकर आए हैं। जिनमें लिखा है- केजरीवाल पूर्वांचल विरोधी। केजरीवाल ने पूर्वांचलियों को फर्जी वोटर बताया, माफी मांगें। हालांकि केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए बैरिकेडिंग की गई थी। वे इसे तोड़कर आगे बढ़ गए। इसके बाद पुलिस ने वाटर कैनन चलाई। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया है। विरोध मार्च को लेकर अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

बिहार में खरमास बाद हो सकता है मंत्रिमंडल विस्तार

जेडीयू कोटे में 2 तो बीजेपी के पास 4 नए मंत्री पद की है जगह

पटना (एजेंसी)। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के शपथ ग्रहण समारोह के कुछ ही दिन बाद अचानक से राज्य के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार का राजभवन पहुंचना कई प्रश्नों को जन्म दे गया। प्रश्न मंत्रिपरिषद विस्तार के साथ विधान सभा भंग को ले कर उठने लगे। पर विधानसभा भंग करने के प्रश्न पर तुरंत ही विराम लग गया। ऐसा इसलिए भी कि भंग करने के बाद भी कुछ माह चुनाव हेतु लग भी जाएंगे,फिर क्या फायदा। दूसरी बात यह सामने आई कि भंग करना ही होता तो एनडीए की बैठक भी जिले में क्यों होती। वह भी एनडीए की बैठक जिला स्तर पर वह भी चुनाव के संदर्भ में पहली बार हो रही है। लेकिन मंत्रिपरिषद विस्तार पर मुहर लगती तो दिख ही रही है। मंत्रिपरिषद विस्तार को शुभ कार्य मानते यह चर्चा है कि खरमास के बाद ही इस मुहिम को अंजाम दिया जाएगा। तब तक दही चूड़ा की गर्माहट भी सभी दलों में आ जाएगी। पर मंत्रिपरिषद के विस्तार को ले कर भी कई प्रश्न उठ रहे हैं। सीएम केवल भाजपा-जदयू की रिक्त जगह को भरेंगे।

किसी भी विवादित ढांचे को मस्जिद बोलने से बचें, ये इस्लाम के सिद्धांतों के खिलाफ

- सीएम योगी बोले-प्रयागराज महाकुम्भ भव्य,दिव्य और डिजिटल कुम्भ के रूप में जाना जाएगा
- कुछ लोगों ने दुष्प्रचार का ले रखा है ठेका, मैंने स्नान किया, आचमन किया, बीमार नहीं पड़ा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि किसी भी विवादित ढांचे को मस्जिद नहीं बोलना चाहिये। हम जिस दिन मस्जिद बोलना बंद कर देंगे तो उस दिन लोग जाना भी बंद कर देंगे। यह इस्लाम के सिद्धांतों के खिलाफ भी है कि किसी की भी आस्था को ठेस पहुंचाकर, वहां मस्जिद नुमा ढांचा खड़ा कर दिया हो। ऐसे स्थान पर किसी भी प्रकार की होने वाली इबादत खुदा को भी मंजूर नहीं होती है। जब खुदा को मंजूर नहीं होती है तो बेकार में वहां क्यों इबादत की जाए। वहीं इस्लाम में उपासना के लिए एक स्ट्रक्चर खड़ा हो, यह आवश्यक नहीं है जबकि यह सनातन धर्म में है। सनातनी उपासना के लिए मंदिर जाएगा, इस्लाम के लिए नहीं है।

- **तब मां गंगा की गंदगी देख मॉरिशस के पीएम के छलक आए थे आंसू-** सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक वर्ष पहले अयोध्या में 500 वर्षों का इंतजार समाप्त करके रामलला का विराजमान होना और 144 वर्षों बाद इस तरह के मुहूर्त में महाकुंभ का होना, ये ईश्वर की कृपा है। सीएम योगी ने कहा कि महाकुम्भ में पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों के साथ दक्षिण भारत के राज्यों से संतों का आगमन नहीं हो पाता था।
- **आस्था और आधुनिकता के महासमागम के रूप में जाना जाएगा-** सीएम योगी ने कहा कि मॉरीशस के लोगों ने मां गंगा की स्मृति को गंगा तालाब के जरिये संजोकर रखा है। उन्होंने मॉरीशस के प्रधानमंत्री के वाराणसी दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि हमने उनसे संगम में डुबकी लगाने का आग्रह किया था। वह हमारा आग्रह स्वीकर कर प्रयागराज पहुंचे और 450 लोगों के साथ डुबकी भी लगाई।
- **मैंने संगम में स्नान किया और आचमन किया, लेकिन बीमार नहीं पड़ा-** सीएम योगी ने संगम पर नदी के पानी में प्रदूषण पर बोले कि मैंने भी कुछ ऐसे बयान पढ़े थे और मैं यहां पर कई बार आया हूं। जल से स्नान भी किया और उसका आचमन भी किया है।

इंगमार बर्गमैन की फिल्म 'समर विथ मोनिका' का प्रदर्शन कल

उत्कृष्ट विश्व सिनेमा की श्रृंखला

भोपाल। उत्कृष्ट विश्व सिनेमा के प्रदर्शन की श्रृंखला के अंतर्गत इस बार स्वीडन के महान फिल्मकार इंगमार बर्गमैन की फ़िल्म 'समर विथ मोनिका' दिखाई जाएगी। बर्गमैन को व्यापक रूप से अब तक के सबसे महान और प्रतिभाशाली फ़िल्म निर्देशकों में से एक माना जाता है। उनकी फ़िल्मों को मनोविज्ञान और आत्मा के सामने आने वाले अनेक संघर्षों पर व्यक्तिगत चिंतन के रूप में वर्णित किया जाता है। 'समर विद मोनिका' स्टॉकहोम की एक सत्रह साल की अल्हड़, रोमांटिक और विद्रोही लड़की मोनिका और उन्नीस वर्षीय हैरी की कहानी है।

कलेक्शन एजेंट से हुई लूट में हवाला कनेक्शन साफ

15 नहीं 32.50 लाख की हुई थी लूट, 6 संदेही हिरासत में

भोपाल (नप्र)। चूनाभट्टी इलाके में कलेक्शन एजेंट से कैश लूटने के मामले का हवाला कनेक्शन साफ हो गया है। पुलिस इस मामले में फरियादी से भी पूछताछ कर रही है। वहीं 6 संदेहियों को हिरासत में ले लिया गया है। जिसमें छोला मंदिर इलाके में रहने वाले तीन लोग शामिल हैं। सूत्रों की माने तो आरोपियों ने स्वयं स्वीकार किया कि, कारोबारी की सटीक मुखबिरी मिली थी कि वह हवाला की रकम को इधर से उधर करता है। एक सप्ताह तक लगातार कारोबारी की रेकी की, तब वारदात को अंजाम दिया। लूटी गई रकम 15 नहीं

32.50 लाख रुपए थे। रकम हवाला की होने के कारण फरियादी ने कम बताई थी। हालांकि पुलिस अधिकारिक तौर पर रकम हवाला की होने की बात से इनकार कर रही है। पुलिस के मुताबिक जानकी नगर निवासी साहिल मयूर के साथ मिलकर काम करता है। मयूर ने बुधवार को कलेक्शन एजेंट साहिल से बोला कि पुराने शहर से सोनू नाम के युवक से 15 लाख रुपए लेकर आओ। यह पैसा कारोबार के लिए उधार के तौर मंगाया गया था। साहिल के साथ रोहित एक्टिवा पर सवार होकर दोपहर डेढ़ बजे 15 लाख रुपए लेकर लौट रहा था। पैसे ब्लू रंग के बैग में रखे थे। दोनों जैसे ही कोलार गेस्ट हाउस से थोड़ा आगे बढ़े थे, तभी पल्सर व अपाचे बाइक पर सवार दो बदमाश आए और साहिल की गाड़ी को टक्कर मारकर गिरा दिया। इसके बाद पैसे से भरा बैग छीनकर भाग निकले थे। कोलार गेस्ट हाउस के पास एक्टिवा सवार फरियादी, इनके ठीक पीछे आरोपी आ रहे थे। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की मदद से रोड मैप तैयार कर आरोपियों तक पहुंची है।

ऐसे पकड़े गए बदमाश

सूत्रों की माने तो पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्य के आधार पर 6 आरोपियों को पकड़ा है। उनके पकड़े जाने के बाद ही पता चला कि लूट 32.50 लाख रुपए की थी। यह बात पता चलने पर पुलिस ने लुटेरों के पास से लूट की रकम और वारदात में इस्तेमाल बाइक भी बरामद कर ली हैं। इसके अलावा जांच में सामने आया कि पकड़े गए बदमाश राजा खटीक गैंग से जुड़े हुए हैं। जिसने कुछ समय पहले ही श्यामला हिल्स इलाके में लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस का कहना है कि शाम तक पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

जल्द होगा मामले का खुलासा– पुलिस कमिश्नर हरीनारायणचारी मिश्रा ने बताया कि पांच से 6 संदेहियों को हिरासत में लिया है। हवाला कनेक्शन के संबंध में भी पुलिस जांच कर रही है। जल्द पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

अपनों के एडजस्टमेंट में उलझी जिलाध्यक्षों की लिस्ट

- बीजेपी पर्यवेक्षक व चुनाव अधिकारी नहीं बता पा रहे कब आएगी, दिग्गजों की सहमति नहीं बनी

भोपाल (नप्र)। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्षों की घोषणा को लेकर हफ्तेभर से कयासों का दौर चल रहा है, लेकिन लिस्ट अब तक नहीं आ पाई। दिग्गज नेता अपनों को एडजस्ट करने में लगे हैं। पर्यवेक्षक और चुनाव अधिकारी भी नहीं बता पा रहे हैं कि लिस्ट कब आएगी। पहले 5 जनवरी तक लिस्ट का आना माना जा रहा था। 3 जनवरी को ही सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और पर्यवेक्षकों ने जिलाध्यक्षों के नामों का पैनल प्रदेश संगठन चुनाव की टोली को सौंप दिया था। इसके बाद भोपाल में दो दिनों मंथन चला।

सहमति न बन पाने के बाद प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा दिल्ली पहुंचे। वहां दो दिनों तक बैठकों का दौर चला, फिर भी अब तक जिलाध्यक्षों की लिस्ट जारी नहीं हो पाई।

अपनों को एडजस्ट कराने क्षत्रपों ने लगाया वीटो– बीजेपी सूत्रों का कहना है कि संगठन के दो दिग्गज अपनों को एडजस्ट करने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं। वह अपने चहेतों को जिलाध्यक्ष बनवाना चाहते हैं। वहीं, क्षेत्रीय क्षत्रप भी अपने इलाके में अपनों को स्थापित करने के लिए वीटो लगा रहे हैं। ग्वालियर में ज्योतिरादित्य सिंधिया, नरेन्द्र सिंह तोमर, जयभान सिंह पवैया अपना अध्यक्ष बनाना चाहते हैं। इधर सागर में तो दिग्गजों के बीच खींचतान के चलते पार्टी को दो जिलाध्यक्ष बनाने का फैसला करना पड़ा है।

सभी जिलाध्यक्ष घोषित करने में लंबी माथापच्ची– संगठन चुनाव के नियमानुसार, 50 फीसदी जिलों के अध्यक्ष और प्रदेश परिषद सदस्यों के चुनाव के बाद प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। लेकिन मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष और संगठन महामंत्री इस प्रयास में हैं कि सारे जिलाध्यक्ष घोषित हो जाएं। पार्टी ने हफ्ते भर में सभी जिलों में नाम तय करने के लिए मैराथन बैठकें की हैं। उसके बाद भी अब तक लिस्ट नहीं आ सकी है।

वाल्मी-मदरबुल फार्म के आसपास टाइगर...2 गायों का शिकार

चंदनपुरा में अचानक कार के सामने आया बाघ, वन विभाग ने रास्ता बंद किया

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल के बीचोंबीच 2 टाइगर का मूवमेंट है। इन्होंने 24 घंटे में 2 गायों का शिकार कर लिया। इसके चलते वन विभाग ने चंदनपुरा इलाके की सड़क को बंद कर दी है। ताकि, लोग वहां नहीं जा सके। इससे पहले दो टाइगर एक कार (स्कॉर्पियो) के सामने अचानक आ गए। जिससे ड्राइवर संतुलन खो बैठा और कार पेड़ से टकरा गई। बाघ के मूवमेंट से लोग में दहशत है।

कार के पेड़ से टकराने का मामला शुक्रवार सुबह का है। जागरण लेक सिटी के पास सड़क पर टाइगर का मूवमेंट रहा। प्रत्यक्षदर्शी राजेश जैन ने बताया कि इलाके में दो टाइगर घूम रहे हैं। इनमें एक छोटा है, जबकि दूसरा अच्छी कदकाठी का। जागरण लेक सिटी के पास दोनों घूमते हुए सड़क पर आ गए। इससे एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। दोपहर में एक और गाय का शिकार टाइगर ने किया।

वाल्मी से मदरबुल फार्म तक टाइगर का मूवमेंट– बता दें कि वाल्मी से मदरबुल फार्म तक टाइगर का मूवमेंट रहता है। इस इलाके में कई बाघ हैं। मदरबुल फार्म में बाघ गायों का शिकार भी कर चुके हैं। रेंजर शिवपाल पिपल्दे ने बताया, टाइगर के मूवमेंट के चलते रास्ता बंद कर दिया गया है। वहीं, सर्चिंग की जा रही है। बाघ ने दो गायों का शिकार किया है।

टाइगर देखकर आंखें बंद हो जाती हैं

प्रत्यक्षदर्शी जैन ने बताया, टाइगर देखकर डर के मारे आंखें बंद हो जाती है। स्कार्पियो ड्राइवर भी डर गया और इस कारण गाड़ी पेड़ से टकरा गई। राजेश कुछ दूर मॉर्निंग वॉक करके लौट रहे थे।

इलाके में चार दिन से मूवमेंट

एक बाघ मित्र ने बताया कि चंदनपुरा, जागरण लेक सिटी के पास, मदरबुल फार्म के आसपास के इलाकों में पिछले चार दिन से टाइगर का मूवमेंट है। ये टाइगर सड़क पर भी आ रहे हैं। दूसरी ओर, यहां पर लापरवाही बरती जा रही है। हर रोज दर्जनों की संख्या में डंपर निकल रहे हैं। वहीं, निगम ने इलाके में स्ट्रीट लाइट भी लगा दी। जिससे लोग अब ज्यादा संख्या में मॉर्निंग और इवनिंग वॉक पर निकल रहे हैं। इससे डर है कि बाघ और इंसान के बीच कहीं आमना-सामना न हो जाए।

प्राइवेट स्कूल संचालक पहुंचे राज्य शिक्षा केंद्र

जमकर की नारेबाजी, मान्यता के नियम बदलने का विरोध

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में प्राइवेट स्कूलों के मान्यता नियमों में बदलाव को लेकर अब स्कूल संचालक मध्य प्रदेश के पदाधिकारी मुख्यमंत्री मोहन यादव को ज्ञापन देने पहुंची। इसके अलावा सभी ने राज्य शिक्षा केंद्र कार्यालय परिसर में इन स्कूल संचालकों ने जमकर नारेबाजी की, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष राशिद खान ने बताया कि इससे पहले हम सीएम से लेकर शिक्षा मंत्री व अपने-अपने जिलों के विधायकों के सामने इस संबंध में गुहार लगा चुके हैं। प्राइवेट स्कूलों के मान्यता नियमों में बदलाव को लेकर स्कूल संचालक भोपाल पहुंचे।

बता दें करीब 500 से अधिक स्कूल संचालक राज्य शिक्षा केंद्र परिसर में मौजूद है, यह राज्य शिक्षा केंद्र की वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन देकर इनका एक डेलिगेशन मुख्यमंत्री निवास पर जाएगा। यहां मौजूद सभी स्कूल संचालक लगातार परिसर में नारेबाजी कर रहे हैं, इसके अलावा यहां पर पुलिस बल भी तैनात है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार ने मान्यता के नियमों को बहुत जटिल कर दिया है। इससे सबसे अधिक कठिनाई ग्रामीण जिलों में हो रही है। वहीं एफडी अमाउंट में बढ़ोतरी को भी वापस लेने की मांग की जाएगी। इसके लिए हम शुक्रवार दोपहर 12:30 बजे लोक शिक्षक संस्थान कार्यालय से सीएम हाउस के लिए कूच करेंगे। इससे पहले हम आयुक्त को ज्ञापन भी देंगे, इस दौरान हमारे साथ 1000 से अधिक स्कूल संचालक एंव स्कूल डायरेक्टर होंगे।

राशिद कहते हैं कि मप्र में 80 प्रतिशत स्कूल ऐसे हैं जिनकी वार्षिक फीस लगभग 8 हजार से 25 हजार के बीच है। 15 से 20 प्रतिशत स्कूलों फीस डूब जाती है। वर्तमान में 40 से 50 प्रतिशत स्कूलों में आरटीई योजना के बच्चे भी पढ़ रहे हैं। इनकी राशि सरकार दो-दो साल देरी से देती है। जिससे स्कूलों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है। जबकि राजपत्र में आरटीई का भुगतान सत्र के अंत मार्च व मई में देने का प्रावधान है। कई स्कूलों का तकनीकी समस्या के कारण प्रपोजल नहीं बनने के कारण 2016 से 2022 तक का भुगतान भी आज तक नहीं हुआ है। सरकार इनके विषय में कोई विचार नहीं कर रही है।

प्राइवेट स्कूलों पर थोपे जा रहे नए नियम

इन परिस्थितियों में शिक्षा विभाग ने राजस्व बढ़ाने के लिए मान्यता के नए नियमों को प्राइवेट स्कूलों पर थोप दिया हैं। जब से प्रदेश में प्राइवेट स्कूल प्रारंभ हुए हैं, तब से नोटरीकृत किराया नामा को महत्व दिया गया था।

कॉलेज बस को ट्रक ने टक्कर मारी, 1 की मौत

भोपाल में पीपुल्स कॉलेज के 51 स्टूडेंट विजिट कर लौट रहे थे, दो गंभीर

भोपाल (नप्र)। भोपाल में तेज रफ्तार ट्रक ने कॉलेज बस को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वह बस को दूर तक घसीटते ले गया। हादसे में एक स्टूडेंट की मौत हो गई। वहीं दो छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसा शुक्रवार दोपहर में हुआ। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बच्चों को बाहर निकाला। सूचना मिलने पर मौके पर 108 एंबुलेंस भी पहुंची। एंबुलेंस से घायलों को निजी अस्पताल पहुंचाया गया। इधर, ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया है।

टीआई नीरज वर्मा ने बताया कि, दोपहर दो बजे के लगभग पीपुल्स इंजीनियरिंग कॉलेज के 51 बच्चे, 04 स्टॉफ सहित कुल 55 लोग आईआईएसईआर कॉलेज में विजिट कर लौट रहे थे। तभी निफ्ट कॉलेज के पास भौरी में बस को पीछे से ट्रक के चालक ने टक्कर मार दी है।

मृतक छात्र बिरसिंहपुर का रहने वाला– हादसे में स्टूडेंट विनीत साहू की मौत हो गई। वह बिरसिंहपुर पाली का रहने वाला था। वहीं विमल यादव एवं छात्र शिवम लोधी गंभीर रूप से घायल हैं। जिन्हें पीपुल्स हॉस्पिटल शिफ्ट किया जा रहा है। 29 छात्रों को मामूली चोटें आई हैं। 13 लोग सुरक्षित है।

बस में फंसे हुए थे स्टूडेंट, ग्रामीण मदद करने पहुंचे

भौंरी में रहने वाले हितेश राठौर ने बताया कि मैं काम पर गया था। दोपहर में अचानक कॉल आया। गांव में एक कॉलेज बस को ट्रक ने टक्कर मार दी है। दर्जनों बच्चे बस में फंसे हैं। मैं तत्काल मौके पर पहुंचा और बच्चों को निकलवाने में मदद की। कई बच्चों की हालत बेहद खराब है, किसी के हाथ तो किसी के पांव टूटे थे। कई बच्चों के सिर में गंभीर चोट दिख रही थी। कुछ के हाथ पांव में कट के निशान भी देखे हैं।

प्रत्यक्षदर्शी ने बताया- ओवर स्पीड था ट्रक– मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि ट्रक ओवर स्पीड था। बस अपने रास्ते मध्यम गति से चल रही थी। तभी पीछे से ट्रक के ड्राइवर ने जोरदार टक्कर मारी। वह बस को कई मीटर तक घसीटते ले गया। हादसे के तत्काल बाद आरोपी ड्राइवर ट्रक छोड़कर फरार हो गया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह बोले-

तुमसे मिलने को जी करता है...

कांग्रेस का पाप गरीबों से मकान छीनना, 3 लाख आवास की स्वीकृति सौंपी

भोपाल/रायपुर। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान दुर्ग के नगपुरा में आयोजित मोर आवास मोर अधिकार कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार को 3 लाख 3 हजार 384 मकान की स्वीकृति की चिट्ठी मंच से ही सौंपी। मुख्यमंत्री को ये पत्र देकर केंद्रीय मंत्री ने कहा अगले वित्तीय वर्ष में भी और 3 लाख आवास की स्वीकृति छत्तीसगढ़ को दी जाएगी। मंच से उन्होंने देश में लोकसभा-विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जाने का संकल्प जनता को दिलाया।

मंच से शिवराज सिंह चौहान बोले- मैं अतिथि नहीं हूं क्योंकि अतिथि के आने की तिथि ज्ञात नहीं होती, वो तो बिना बुलाए कभी-भी टपक जाता है। मेरी तारीख तो मुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय जी ने तय करवाई, दूसरी बात छत्तीसगढ़ में मामा मेहमान कैसे हो सकता है मैं तो आपके परिवार का सदस्य हूं। भाषण के बीच में शिवराज सिंह चौहान ने 3.03 लाख से अधिक पीएम आवास का स्वीकृति पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने इसके लिए केंद्र सरकार का आभार माना।

शिवराज अपने रोचक अंदाज में बोले- मुख्यमंत्री विष्णुदेव और विजय जी आए मेरे पास दिल्ली में और कहा कि इतने मकान तो देने ही पड़ेंगे। मकान दो भी और आओ भी, तो भैया तुमने पुकारा और हम चले आए। छत्तीसगढ़ की यादें कभी भुलाई नहीं भूलती, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों भाई हैं। छत्तीसगढ़ तुमसे मिलने को जी करता है रे बाबा..।दुर्ग जिले के नगपुरा स्थित प्रसिद्ध जैन मंदिर में 23वें तीर्थंकर भगवान श्री पार्श्वनाथ की पूजा-अर्चना सभी नेताओं ने की।

कांग्रेस पर शिवराज अटैक– केंद्रीय मंत्री ने मंच से कहा- डॉ रमन सिंह के सयम छत्तीसगढ़ विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ा। बीच में 5 साल आ गए, उन्होंने विकास को रोक लिया जैसे कालनेमी ने कोशिश की थी हनुमान जी को रोकने की। अब पता नहीं कैसी सरकार और कैसे मुख्यमंत्री थे। कांग्रेस सरकार ने सबसे बड़ा पाप किया वो ये कि गरीबों के मकान का अधिकार छीन लिया, उन मुख्यमंत्री ने ये अधिकारी छीन लिया जो 5 साल मुख्यमंत्री रहे थे। शिवराज सिंह ने डॉ रमन सिंह से मुलाकात की, कार्यक्रम में मंच ये उन्हें चाऊर वाले बाबा भी कहा और उनके कार्यकाल को सराहा।

गरीबों के पैर पखारे

आवास योजना में मकान पाने वाले गरीब लोगों के केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पैर पखारे। इसे लेकर शिवराज सिंह ने कहा– हमारे मार्गदर्शक पंडित दीनदयाल उपाध्याय कहते थे हम कितने तप करें भगवान प्रसन्न होंगे या नहीं हमें पता नहीं चलेगा। साक्षात् नारायण दिखाई देंगे यह दरिद्र ही हमारे लिए नारायण है। आज हमने इनके पैर धोए हैं, जनता जनार्दन ही हमारी नारायण है और जनता की सेवा ही हमारे लिए भगवान की पूजा है। हमने तय किया कि है कि हर गरीब को पक्का मकान मिले।

31 मार्च तक पूरा होगा मकान देने का सर्वे

आवास प्लस के तहत गरीबों को आवास दिए जाएंगे। शिवराज सिंह ने छत्तीसगढ़ सरकार को 31 मार्च तक ये सर्वे पूरा करने को कहा है। मंच से उन्होंने कहा- जिसके पास टू व्हीलर होता है उन्हें अपात्र कर दिया जाता है। मगर अब हमने फैसला किया है कि जिनके पास स्कूटर- मोटरसाइकिल होगी टू व्हीलर होगा उनको भी मकान दिया जाएगा। तय किया गया है कि जिनकी आमदनी 10 हजार महीने से ज्यादा होती थी उनको मकान नहीं मिलता था तो अब 15 हजार महीना भी आमदनी होगी तो भी उनको भी मकान दिया जाएगा। ऐसे किसान जिनके पास ढाई एकड़ तक सिंचित जमीन और पांच एकड़ तक असिंचित जमीन होगी अब उनको भी मकान दिया जाएगा। ऐप में आम आदमी अपने मकान, आय की जानकारी देकर आवेदन करेगा। सरकार मौके पर जाकर जांच करेगी ठीक पाए जाने पर उसे मकान देने की लिस्ट में शामिल कर लिया जाएगा।

संपादकीय

ट्रंप की विस्तारवादी सोच

अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कार्यभार संभालने के पहले ही अपने विवादित बयानों से दुनिया में खलबली मचा दी है। ट्रंप के बयान उनकी विस्तारवादी सोच का नतीजा हैं, जिनके व्यवहार में परिणत होने की संभावना न के बराबर है। फिर भी ट्रंप अगर ऐसे बयान दिए जा रहे हैं तो इसके पीछे कोई दीर्घकालीन रणनीति हो सकती है, जिसे विश्व भर से भू राजनीतिक प्रेक्षक समझने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने हाल में दो ऐसे बयान दिए, जिसकी व्यापक प्रतिक्रिया हुई। पहले तो उन्होंने उत्तर अमेरिका के उत्तरी देश कनाडा को अमेरिका का 51 राज्य बनने का ऑफर दिया। साथ में धमकी भी दी कि यदि उसने ऐसा नहीं किया तो वो राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद 25 फीसदी टैरिफ आयद कर देंगे। दूसरा, बयान ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जे और मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिकन खाड़ी करने का है। इन प्रस्तावों में कोई भी ऐसी बात नहीं है, जो सम्बंधित देशों की सहमति के बगैर संभव हो। क्योंकि दुनिया अब 21वीं सदी में जी रही है, जब शासकों द्वारा सैन्य अभियानों के जरिए अपने साम्राज्य का विस्तार टेढ़ी खीर है। आज हर राष्ट्र संप्रभु है। चाहे छोटा हो या बड़ा। केवल अपने विशाल आकार अथवा अजेय सैन्य शक्ति के जरिए उसे डराया धमकाया नहीं जा सकता। ट्रंप ने जब कनाडा को अमेरिकी राज्य बनाने की बात कही तो इसकी कनाडा में तीखी प्रतिक्रिया हुई। वैसे भी आकार में कनाडा अमेरिका से 1 लाख 51 हज़ार 150 वर्ग किलोमीटर बड़ा है। वह नाटो का भी सदस्य है। दूसरे, दोनो देशों की राजनीतिक व्यवस्थाएं भी अलग-अलग हैं। कनाडा में संवैधानिक राजतंत्र है तो अमेरिका गणतंत्र है। राजतंत्र को गणतंत्र में बदलने के लिए ब्रिटेन के राजा से डील करनी होगी। अगर अमेरिका ऐसी कोई संवैधानिक प्रक्रिया शुरू करना भी चाहता है तो उसे अमेरिकी कांग्रेस से अनुमति लेनी होगी। लेकिन असल सवाल तो यह है कि क्या कनाडा अमेरिका के हाथों अपनी संप्रभुता खोना चाहेगा तो इसका जवाब ना में ही होगा। अतीत में अमेरिका ने टेक्सस को मेक्सिको से लिया था तो चार सालों तक संघर्ष हुआ था और इसमें हज़ारों लोगों की जान गई थी। खुद कनाडावासियों ने ट्रंप के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ट्रंप का दूसरा प्रस्ताव ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जे का है। ग्रीनलैंड में अमेरिका के अड्डे हैं, लेकिन वहां नियंत्रण डेनमार्क का है। वह डेनिश साम्राज्य का स्वायत्त क्षेत्र कहलाता है। उधर ट्रंप के बेटे तो ग्रीनलैंड पर डोनाल्ड के प्रस्ताव के तुरंत बाद ग्रीनलैंड की राजधानी नूक पहुंच गए। हालांकि ट्रंप के इस प्रस्ताव को उनकी अपनी पार्टी में समर्थन मिल रहा है। इस बीच मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने ट्रंप को मुंहतोड़ जवाब देते हुए कहा है कि मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलने की बजाए अमेरिका का नाम ही मैक्सिकन अमेरिका करने की सलाह दे डाली है। यही नहीं ट्रंप पनामा नहर संधि को भी खत्म कर उस पर सीधा अमेरिकी नियंत्रण चाहते हैं। इन सभी प्रस्तावों के पीछे ट्रंप की बनिया बुद्धि काम कर रही है। वो इन देशों के संसाधनों और आर्थिकी पर कब्जा करना चाहते हैं। लेकिन यह सब इतना आसान नहीं है। दस दिन बाद सत्ता संभालने पर ट्रंप क्या करेंगे, किस तरह से करेंगे, यह कोई नहीं जानता। लेकिन उनके इन विस्तारवादी बयानों ने दुनिया के दूसरे देशों और खासकर अमेरिका के मित्र देशों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी है। क्योंकि ट्रंप दुनिया का नक्शा ही नहीं, निजाम भी बदलना चाहते हैं, अपने आप बहुत जटिल और गंभीर बात है। खुद अमेरिकी भी उनसे पूरी तरह शायद ही सहमत हों।

नजरिया

अनुराग बेहार

लेखक अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के सीईओ एवं अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के संस्थापक वाइस चांसलर हैं।

नैतिक रूप से धुंधलाए देश में महिलाओं का शोषण

मेरी कुछ महिलाओं से हुई एक मुलाकात अब तक हुए सबसे महत्वपूर्ण अनुभवों में से एक हैं। बीस लोगों की उनकी पूरी टीम के छह सदस्य हमारी मीटिंग में शामिल हुए थे। छह लोगों के इस समूह में चार महिलाएँ थीं – जिनमें से तीन एसिड अटैक पीड़िता थीं– एसिड अटैक हमारे देश में महिलाओं के साथ होने वाली सबसे जघन्य अपराधों में से एक है। इन महिलाओं ने मुझे जो बताया वह वास्तव में आंखें खोल देने वाला है।

उन्होंने मुझे बताया कि जब तक हम वहाँ पहुँचे उस महिला का कान उस व्यक्ति द्वारा की गई मार–पीट से फट चुका था। पाँच लोगों के वहाँ पहुँचने पर, वह रुक गया, लेकिन जल्द ही उसने फिर से मारना शुरू कर दिया। जब वह भागने की कोशिश कर रहा था, तो उन्होंने उसे रोक लिया और उसे मुक्के और लातें मारी। उन्होंने महिला से आग्रह किया कि वह उसे दो थप्पड़ मारे, जिसके बाद वे उसे वैसे ही पीटेंगे। यही उनकी व्यवस्था और उसूल है कि पहला वार पीड़ित को करना चाहिए, फिर वे उस व्यक्ति को ढंग से पीटते हैं, बस इतना ध्यान रखते हैं कि गंभीर चोट न लगे , ताकि वह इसे कभी न भूले। उस महिला ने हिचक के साथ मना कर दिया। वे लगभग एक घंटे के लिए रुके, उस आदमी को पीटने और पुलिस में शिकायत करने की धमकी देते रहे और फिर चले गए। शहर वापस लौटते समय वे धधकती रेतीली भूमि से होते हुए पच्चीस किलोमीटर का चक्कर लगाकर दूरस्थ पुलिस चौकी गए और उन्हें मामले की सूचना दी। यह सामान्य प्रक्रिया थी, हालाँकि उन्हें किसी कार्रवाई की उम्मीद भी नहीं थी।

वे अगले सप्ताह फिर महिला के गाँव पहुँचे। उस व्यक्ति ने न केवल उस महिला को बेरहमी से पीटा, बल्कि अपनी बुजुर्ग माँ को भी पीटा; और फिर शराब खरीदने के लिए पैसे जुटाने के लिए बकरियों को इकट्ठा करने लगा। वे आधे घंटे में उसकी झोपड़ी तक पहुँच गए; पुलिस का कोई अता– पता नहीं था, जिसे उन्होंने महिला के फोन आने पर तुरंत ही सतर्क कर दिया था। वह अभी भी वहाँ था और महिला पर हमला जारी रखने के लिए उसका पीछा कर रहा था। उनके पहुँचने पर वह रुक गया। इस बार बिना किसी के कहे, अवसर देख महिला ने उसे चार तेज़ थप्पड़ मारे। जिसके बाद टीम ने पिटाई की कमान संभाली। पाँचों ने लगभग दस–दस घूँसे, लात और थप्पड़ उसे मारे। जल्द ही वह दया की भीख माँगने लगा। ज़्यादातर पड़ोसी इस नाटक के गवाह थे। टीम ने उसे धमकी दी कि अगर उसने फिर कभी उस महिला पर या अपनी माँ पर हमला किया तो उसे और भी भयानक नतीजे भुगतने होंगे। फिर वे चले गए।

मेरी मुलाक़ात से एक दिन पहले उस आदमी ने इस टीम की नेत्री को फ़ोन करके बताया कि वह बहुत अच्छा व्यवहार कर रहा है, और उन्हें उस महिला से बात करनी चाहिए। जो उन्होंने की भी और उस महिला ने बताया भी कि जिस दिन उसे पीटा गया उसके पहले पिछले पाँच हफ्तों में उस आदमी का व्यवहार काफी अलग रहा है। हमारी बातचीत काफी हल्की–फुल्की थी क्योंकि महिलाएँ बेहद खुशमिजाज थीं। उनके शरीर पर एसिड अटैक के निशान अवश्य, लेकिन उनकी आत्मा पर नहीं थे। ऐसा लग रहा था कि वे काफी सहज और खुशदिल हैं। सहज और हल्के माहौल और बातचीत के कारण मैं उनसे सीधे–सीधे सब कुछ पूछ सकता था। क्या वह और उसके जैसे अन्य लोग जल्द ही फिर से महिला को पीटना शुरू नहीं कर देंगे। आप कब तक उस पर नजर रख पाओगे? क्या इस समस्या से निपटने का कोई और तरीका नहीं है? आप स्वयं ही हिंसा से मामला सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं यह गलत और बुरा नहीं है क्या? कानून के बारे में आपके क्या विचार हैं? और इसी तरह की कुछ अन्य बातें?

उन्होंने अपने अनुभव रखे। ऐसे अनुभव जिसमें पुरुषों ने वापस पलटकर गंभीर हिंसा की हो बहुत कम थे। पिछले दस वर्षों में उन्होंने दो हजार महिलाओं का ऐसा साझा समूह बना लिया था, जो उनकी आँखें और कान थीं, इसके साथ ही उन्होंने त्वरित निर्णय लेने की सामर्थ्य और प्रतिष्ठा भी बनाई है। वे लड़कियों और महिलाओं के साथ होने वाले हर तरह के अन्याय के खिलाफ कार्रवाई करती हैं। जबरन स्कूल से निकाल दिया जाना, बाल विवाह, विधवाओं के साथ होने वाला भेदभाव, और भी बहुत कुछ। इनमें से सभी के लिए मार पीट की जरूरत नहीं है, जरूरत है तो निर्भीकता की, डटकर मुक़ाबला करने की, और बाज की नज़र जैसी सतर्कता की। यह समूह अपनी सामूहिक शक्ति और तत्काल कार्रवाई की पूरी ताकत न केवल हिंसक पुरुषों के साथ बल्कि समुदाय, पंचायत, स्थानीय प्रशासन, पुलिस, प्राधिकृत सरकारी हेल्पलाइन और महिला सुरक्षा संस्थानों के साथ भी लगाता है। इसके बावजूद प्रतिक्रिया धीमी है, और अक्सर कोई प्रतिक्रिया ही नहीं होती। और उन्होंने यही सीखा कि वे इंतज़ार नहीं कर सकते। क्योंकि पीड़ित महिलाओं के खिलाफ हिंसा अनवरत जारी है। छोटी लड़कियों को रातों रात ब्याह दिया जाता है, युवा विधवाओं के साथ लगातार नृसंशता भरा व्यवहार होता है। कुछ को बेच दिया जाता है। 'ना तो कोई सुनने वाला है, ना कोई सुनवाई है, सर। कोई और तरीका हमको तो समझ में नहीं आता'। कोई मदद नहीं है, और कोई न्याय नहीं है, सर। हमें नहीं पता कि हम और क्या करें। वह मुस्कुराई सुबकी और रोई। कुरुक्षेत्र में योद्धा के पास क्या गलत है और क्या सही है के लिए क्या जवाब हो सकता है ? क्या अच्छा है और क्या गलत है? उसे तो बस लड़ना हो होगा, लड़ना ही उसका धर्म है, कुरुक्षेत्र उसे बनाता है।

असली सवाल यह है कि हमने यह कुरुक्षेत्र क्यों बनाया है और हम इसमें कैसे राह पाते हैं। ज़्यादातर अंजान होकर या इससे जुड़कर और कभी कभार नीरस, खोखले विरोधों से आत्म–संतुष्ट होकर।

नैतिक रूप से धुंधलाए इस देश में मैं उसे आँकने वाला या यहाँ तक कि पूछने वाला कौन होता हूँ। न केवल इस जलते धधकते रेतीले इलाके में, बल्कि हमारे आलीशान महानगरों में भी रोज़ाना महिलाओं का अपमान और खुलेआम शोषण होता है। हर जगह। हमारा देश महिलाओं के लिए रहने लायक जगह नहीं, बल्कि युद्ध क्षेत्र ही है।

गर्मी की एक शाम को उसे एक फ़ोन आया। 'मुझे बस स्टैंड लेने आ जाओ।' एक अनजान युवती अपने पाँच साल के बच्चे के साथ इंतज़ार कर रही थी। उसे घर से निकाल दिया गया और उसके माता–पिता ने लोकलाज की फर्जी शर्म के चलते उसे अपनाने से मना कर दिया था, अब उसके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं थी। उसने इस गर्मी में अपने बच्चे के साथ मात्र एक फोन नंबर के सहारे 250 किलोमीटर की यात्रा की और बस स्टैंड पहुँची।

वह तुरंत अपने स्कूटर पर सवार होकर बस स्टैंड पहुँची। 'तुम इतनी दूर क्यों आई हो?', उसने युवती से पूछा। उसने मुझे बताया कि जब कोई भी मदद के लिए तैयार नहीं होता तब तुम्हारे पास आना चाहिए। लोग तो अपने तारणहार को ढूँढने में जीवन व्यतीत कर देते हैं, 250 किलोमीटर क्या चीज है। वह युवती पीछे बैठी थी, बच्चा बीच में था। वह उन्हें घर ले गई।

अंग्रेजी अखबार मिंट में आलेख से अनुदित

सामयिक

अवधेश कुमार

लेखक पत्रकार हैं।

मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और स्मारक की मांग

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के मृत्यु उपरांत अंतिम संस्कार और स्मारक पर हुई और हो रही राजनीति उचित नहीं। जो 10 वर्ष प्रधानमंत्री, 5 वर्ष वित्त मंत्री और इसके अलावा तीन दशक तक भारत के आर्थिक और वित्तीय नीति निर्माण से जुड़े रहे हों, उन्हें लेकर उनकी पार्टी और समर्थकों को संयमित वक्तव्य देना चाहिए। जब कांग्रेस सरकार को कटघरे में खड़ा करेगी तो उनके काल के निर्णयों, घटित घटनाओं आदि उनकी भूमिका सहित पार्टी के वर्तमान और अतीत की वो भूमिकाएं सामने लाई जाएंगी जिनका उत्तर देना कठिन होगा। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी ने उनकी मृत्यु के तुरंत बाद प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर अंतिम संस्कार ऐसी जगह करने की मांग कर दी जहां स्मारक बनाया जा सके। उसके बाद पार्टी ने सरकार को आरोपित करना आरंभ कर दिया। गृह मंत्री अमित शाह जी की ओर से स्पष्ट किया गया कि उनका स्मारक बनाया जाएगा और अंतिम संस्कार राजधानी दिल्ली के निगमबोध घाट पर किया गया। प्रश्न उठाया जा रहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री का अंतिम संस्कार निगमबोध पर क्यों किया गया? देश में जब ऐसे विवाद उठते हैं तो ज्यादातर लोग तात्कालिक भावनाओं और वातावरण के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं और राजनीति में जितना तीखा विभाजन है, पक्ष-विपक्ष में हमले - प्रतिहमले, आरोप-प्रत्यारोप आरंभ हो जाते हैं। ऐसे विषयों पर निष्पक्षता से सच्चाई और तथ्यों के साथ वर्तमान और संभाली परिदृश्यों को नहीं रखा जाए तो अनेक प्रकार की गलतफहमियां बनी रहतीं हैं। कांग्रेस द्वारा बड़ा मुद्दा बनाए जाने के बाद भाजपा ने अतीत के पन्ने पलटे हैं।

पूर्व प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार समुचित सम्मान के साथ होना चाहिए और व्यक्तित्व प्रेरिक है तो स्मारक भी बनना चाहिए। पहले इस मामले में कांग्रेस के अतीत पर बात करते हैं। कांग्रेस और मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाले संप्रग सरकार के दौरान चार पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिंह राव, विश्वनाथ प्रताप सिंह, चंद्रशेखर और इंदर कुमार गुजराल की मृत्यु हुई। क्या इनमें से किसी के दिल्ली में स्मारक बनाने पर चर्चा भी हुई? पीवी नरसिंह राव कांग्रेस के थे और डॉ मनमोहन सिंह को उन्होंने ही वित्त मंत्री बनाया जहां से उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत हुई। उनका परिवार राजधानी में अंतिम संस्कार चाहता था। वे कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके थे और पार्टी मुख्यालय में उनका शव अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि के लिए रखा जाना चाहिए था। उनका शव आया लेकिन मुख्यालय का द्वार नहीं खुला और बाहर ही तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी सहित बाकी नेताओं और मंत्रियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। यह किसके आदेश या इशारे पर हुआ होगा क्या यह बताने की आवश्यकता है? कांग्रेस का तर्क है कि नरसिंह राव ने स्वयं प्रदेश में अंतिम संस्कार की इच्छा जताई थी। ऐसा था तो उनके परिवार से बात किसी ने क्यों नहीं की? आज भी उनके परिवार के लोग बताते हैं कि उनकी किसी ने नहीं सुनी। पूर्व राष्ट्रपति स्व. प्रणव मुखर्जी की बेटी समिष्ठा मुखर्जी ने कहा है कि हमारे पिताजी ने उनके शव को कांग्रेस कार्यालय के अंदर लाने के लिए कहा किंतु ऐसा नहीं किया गया। शायद भारत के राजनीतिक इतिहास में मृत्यु के बाद इस तरह का व्यवहार किसी के साथ नहीं हुआ होगा।

यह भी सही है की सरदार वल्लभ भाई पटेल की मुंबई में मृत्यु के पश्चात प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद को कहा था कि आपको किसी कैबिनेट मंत्री के अंतिम संस्कार में भाग नहीं लेना चाहिए। नौकरशाहों से लेकर अनेक लोगों को यह संदेश दिया गया था। हालांकि पंडित नेहरू स्वयं गए थे और उनकी बात न मानकर डॉ राजेंद्र प्रसाद सहित अनेक लोगों ने पहले गृह मंत्री के अंतिम संस्कार में भाग लिया। उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में नहीं हुआ लेकिन स्वतंत्रता संघर्ष से लेकर संविधान निर्माण और विभाजन की विभीषिका के पश्चात रियासतों का विलय कर देश की एकता-अखंडता सुरक्षित रखने की उनकी सर्वोपरि भूमिका का ध्यान रखते हुए स्मारक अवश्य बनना चाहिए था। डॉ राजेंद्र प्रसाद संविधान सभा के अध्यक्ष और पहले राष्ट्रपति थे। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर गांधी विचारों और भारतीय संस्कृति के अनुरूप त्यागमयी जीवन जीने वाले राजेंद्र बाबू का कोई स्मारक दिल्ली में नहीं बनाया। संविधान निर्माण के बाद संविधान सभा के भाषणों को पढ़िए तो राजेंद्र बाबू के योगदान को उस समय के नेताओं ने किन शब्दों में वर्णित किया है पता चल जाएगा। राजेंद्र बाबू को राष्ट्रपति पद से सेवानिवृत होने के बाद पटना के सदाकत आश्रम में समय बिताना ना पड़ा और वही छोटी जगह में उन्होंने शरीर त्यागा। कोई वहां जाकर उनकी सादगी को देख सकता है।

इस पृष्ठभूमि में कांग्रेस की मांग को राजनीति के अलावा कुछ नहीं कहा जा सकता। राजधानी में महात्मा गांधी जी की समाधि राजघाट से आगे बढ़ते जाइए आपको अगले चौराहे सड़क तक राजीव गांधी, संजय गांधी ,इंदिरा गांधी और पंडित जवाहरलाल नेहरू के स्मारक व समाधियां मिलेंगी। वहां जाने वालों की संख्या न के बराबर है तथा जंगल झाड़ इतने हैं कि कुछ ही क्षेत्र में कोई घूम सकता है। स्व. अटलबिहारी वाजपेयी के समाधि के लिए सड़क के आगे जगह बनानी पड़ी।

यूपीए शासन में राजीव गांधी की समाधि पर बार-बार नई परियोजनाएं आईं और बिना किसी आदेश के गांधी जी की समाधि के जमीनों का उपयोग हुआ, काफी भाग उसमें समाहित हो चुका है। चौधरी चरण सिंह की मृत्यु के बाद जब दबाव बना तो गांधी जी की समाधि से ही काट कर जमीन दिया गया। नेहरू जी या अन्य की समाधि के कारण उस तरफ जगह नहीं मिली। सच यह है कि वर्तमान स्थिति के कायम रहते हुए भविष्य के प्रधानमंत्रियों के लिए उस क्षेत्र में जगह नहीं है। यह तभी हो सकता है जब इन्ही समाधियों के अंदर उनका अंतिम संस्कार हो और स्मारक बने। रास्ता प्रधानमंत्री संग्रहालय की तरह निकल सकता है। जवाहरलाल नेहरू स्मारक संग्रहालय आज प्रधानमंत्री संग्रहालय में बदल चुका है और उसकी बायलॉज ऐसे बने हैं कि अब किसी भी पार्टी के प्रधानमंत्री की मृत्यु के बाद उनकी स्मृतियां वहां रखी जाएगी। आने वाले समय में न जाने कितने प्रधानमंत्री होंगे इनका ध्यान रखते हुए संग्रहालय का यह परिवर्तन समयोचित और व्यावहारिक है। इसी तरह अंतिम संस्कार और स्मारकों की भी व्यवस्था हो सकती है। क्या कांग्रेस अपने प्रथम परिवार के लोगों के स्थान से दूसरे को जगह देने के लिए तैयार होगी?

क्या देश में केवल प्रधानमंत्री को लेकर ही स्मारक या सम्मानजनक अंतिम संस्कार की बात होनी चाहिए? देश में बगैर पद लिए हुए भी अनेक लोगों का अमूल्य योगदान होता है। 1942 की क्रांति के हीरो लोकनायक जयप्रकाश नारायण और डॉ राम मनोहर लोहिया कोई स्मारक दिल्ली में नहीं बनाया गया। जयप्रकाश जी ने 1950 के बाद पूरा जीवन गांधी जी के ग्राम स्वराज को समर्पित कर दिया था। विकट परिस्थितियों में उन्हें 1974 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का नेतृत्व संभालना पड़ा जिसके बाद आपातकाल लगा।

विविध क्षेत्र में ऐसे अनेक लोगों का योगदान इस देश को यहां तक पहुंचाने या जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने में है। इसलिए हमारे सोचने का तरीका बदलना चाहिए। बगैर जनता के बीच काम कर लोकप्रियता प्राप्त किए हुए भी कोई प्रधानमंत्री बन सकता है। इंदर कुमार गुजराल और डॉ मनमोहन सिंह इसके उदाहरण हैं। निश्चित रूप से देश को इस दृष्टि से विचार करना चाहिए। तो तात्कालिक भावुकता या क्षणिक उत्तेजना में निष्कर्ष नहीं निकलना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने डॉ मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार संपूर्ण राजकीय सम्मान के साथ किया, सात दिनों का राजकीय शोक घोषित हुआ। कई पूर्व प्रधानमंत्रियों के लिए कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकारों ने नहीं किया।

सबसे महत्वपूर्ण पहलू भारतीय संस्कार अध्यात्म और संस्कृति दृष्टि है। यहां शरीर को नश्वर माना गया है और मृत्यु के पश्चात इसका कोई मूल्य नहीं। आत्मा मूल है, अजर-अमर है, पुनर्जन्म लेती है या मोक्ष मिलता है। भारतीय दृष्टि से सोचें तो जीवन अनंत यात्राओं का नाम है। शरीर के जीवन में हमारा नाम यहां दिया गया। अगले जन्म में कोई और रुप और नाम। इसी का ध्यान रखते हुए हमारे पूर्वजों ने मृत्यु के बाद मृतक से संबंधित सामग्रियां तक दान करने और तस्वीर तक न रखने की परंपरा बनी। समाधियां केवल उनकी होती थी जो दिव्यता प्राप्त कर समाधि लेते थे। कब्र के रुप में समाधियों की प्रवृत्ति इस्लाम, ईसाई या यहूदी आदि में रही है। किसी का स्मारक बने इसका जीवन सत्य से कोई लेना-देना नहीं।

वैश्विक मान्यता अर्जित करती हिंदी का संरक्षण

भाषा सरोकार

अजय प्रताप तिवारी

युवा लेखक

हम इंसानों की पहचान हमारी भाषा -बोली से होती है। भाषा हमारे संवाद का माध्यम ही नहीं है बल्कि हमारी संस्कृति, परंपराओं और विचारधारा की वाहक भी है। भाषा हमारे अस्तित्व की अभिव्यक्ति तथा समाज को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। भाषा सामाजिक समरसता और एकता का प्रतीक है। भाषा मनुष्यों और समाज के बीच एक पुल का कार्य करती है। भाषा के बिना संवाद और राष्ट्र का विकास संभव नहीं है।

मानव सभ्यताओं के साथ ही भाषाओं का प्रादुर्भाव हुआ है। मानव संभताएं और भाषा का विस्तार एक साथ हुआ है। मानव संभताओं पर पड़ने वाले विभिन्न प्रकार की आपदाओं का प्रभाव भाषाओं पर भी देखने को मिलता है। मानव सभ्यताओं के नष्ट होने के साथ ही कई प्रकार की भाषाओं का विलोपन भी होता रहा है। आज विश्व के सभी देशों की अपनी एक भाषा- बोली होती है। भाषा समृद्ध होने से राष्ट्र का विकास भी होता है। विश्व में अनेकों भाषाएं बोली जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार विश्व में कुल 6809 भाषा है,इसमें से सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा अंग्रेजी, मंदारिन और तीसरे स्थान पर हिन्दी भाषा है। हिन्दी मात्र एक भाषा नहीं है यह भारतीय होने का प्रतीक है। हिन्दी विश्व के अधिकांश देशों में बोली जाती है। हिन्दी आधुनिक भाषाओं में नितांत समृद्ध भाषा है। हिन्दी जीवंत भाषा है। हिन्दी में नीरस का भाव कहीं नहीं देखने को मिलता है। हिन्दी भाषा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि हिन्दी अपनी समृद्धि के लिए सभी भाषाओं किसी न किसी रूप को अपनाया है। हिन्दी का फलक दिनोंदिन विस्तृत हो रहा है। हिन्दी भाषा में मानव की अभिव्यक्ति को प्रकट करने का जो लचीला भाव दिखता है वह विश्व के किसी भाषा में नहीं दिखाई देता है। हिन्दी वैश्विक स्तर पर एक सशक्त होकर उभरी है। हिन्दी व्याकरण से पूरी तरह से अनुशासित और व्यवस्थित भाषा है।

वैश्वीकरण के दौर में हिन्दी भाषा ने अपने आपको बहुत समृद्ध किया है। आज हिन्दी भाषा ने अपने आपको वैश्विक स्तर पर स्थापित किया है। आज हिन्दी भाषा सूचना और सम्प्रेषण का सशक्त माध्यम बन कर उभरा है। हिन्दी भाषा का प्रचलन तेज़ी से अनेकों देशों में बढ़ रहा है। हिन्दी की लिपि देवनागरी है, जो कि कई अन्य भारतीय भाषाओं के लिए संयुक्त है। हम अगर हिन्दी को वैश्विक भाषा के रूप में निर्दिष्ट करे तो विश्व हिन्दी संस्थान कनाडा की एक हिन्दी सेवी संस्था है। यह 'प्रयास' नामक एक हिन्दी ई- पत्रिका प्रकाशित करती है। इसके अतिरिक्त यह संस्था लंबे समय से हिन्दी सेवा में संलग्न हिन्दी कवियों तथा साहित्यकारों को आजीवन हिन्दी सेवा सम्मान द्वारा सम्मानित करती है। हिन्दी को लेकर विदेशियों में भी भारत की धनी संस्कृति को समझने की रुचि बढ़ी है। यही कारण है कि कई देशों ने अपने यहां भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिए शिक्षण केंद्रों की स्थापना की है। भारतीय धर्म, इतिहास और संस्कृति पर विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित करने के अलावा इन केंद्रों में हिन्दी, उर्दू और संस्कृत जैसी कई भारतीय भाषाओं में भी पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

वैश्वीकरण और निजीकरण के इस परिदृश्य में अन्य देशों के साथ भारत के बढ़ते व्यापारिक संबंधों को देखते हुए संबंधित व्यापारिक साझेदार देशों की भाषाओं की अन्तर शिक्षा की जरूरत महसूस की जाने लगी है। इस लिहाज से अन्य देशों में हिन्दी को लोकप्रिय और सरलता से सीखने योग्य भारतीय भाषा बनाने में काफी योगदान किया है। अमेरिका में कुछ स्कूलों में फ्रेंच, स्पेनिश और जर्मन के साथ-साथ हिन्दी को भी विदेशी भाषा के रूप में शुरू करने का फैसला किया गया है। हिन्दी ने भाषा-विषयक कार्य क्षेत्र में स्वयं के लिए एक वैश्विक मान्यता अर्जित कर ली है। सृजन एवं अभिव्यक्त की दृष्टि से हिंदी दुनिया की अग्रणी भाषाओं में से एक है, हिन्दी सिर्फ एक भाषा ही नहीं बल्कि हम सब की पहचान है। आज हमारे जरूरत इस बात है कि सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को बनाए रखते हुए, हमें अपनी मातृभाषा और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को संरक्षित और प्रोत्साहित करना चाहिए। भाषा से ही मानव की पहचान होती है इस लिए भाषा को सहेजने की आवश्यकता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुधीर देशपांडे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

फेसबुक पर फोटू, वाह छोटू

छोटू ने आज फिर फेसबुक पर की सारी फोटो पोस्ट की। वह ऐसा अक्सर करता है। इससे पहले वह फोटो खींचता है। फोटो खींचने के लिए कोई बहाना उसे नहीं चाहिए बस एक मोबाईल के सिवा कुछ भी नहीं। हाँ मोबाइल में कैमरा भी चाहिए। मोबाइल में कैमरा है तो फ़ेसबुक भी चाहिए, नहीं तो ये फोटो किस काम के। कैमरा और फेसबुक नहीं हुआ तो मोबाइल किस काम का? मोबाइल पर वह अब बातें कम करता है, फोटो ज्यादा खींचता है। फोटो खींचता है और डालता है फेसबुक पर। वह मंजन करते हुए फोटो खींचता है। कुल्ला करते हुए फोटो खींचता है। कुल्ला करने के बाद मुँह पोंछते हुए भी फोटो खींचता है। फिर दाँत दिखाते हुए भी। ये सारे फोटो वह फेसबुक पर डालता है, पूछता है, साफ हुये? वह खाना देखता है फोटो खींचता है, खाना बनाता है तो फोटो खींचता है, खाना खाता है तो फोटो खींचता है। फिर सीधे फेसबुक पर पोस्ट करता है। आज बेसन और चावल बनाए। वह अपनों से मिलता है तो फोटो खींचता है परायों से मिलता है तो फोटो खींचता है। फेसबुक पर डालता है। याने वह फेसबुक पर अपनी कोई फोटो न डालें तो शायद उस दिन का उसका कोई कर्म ही पूरा न हो। वह चींटी देखता है तो फोटो खींचता, गुब्बारे उड़ाता है तो भी, नाचता है तो भी और तो और पढ़ाई करता है तो भी फोटो खींच ही लेता है। उस दिन एक बेशरम के पेड़ पर सुंदर गुलाबी फूल क्या देख लिया, छोटू ने उसे नजाकत से पकड़ा और होंठों को चुंबन की मुद्रा में लाकर एक नहीं बीसियों तस्वीरें ले ली। मजा तो तब आया जब मधुमक्खी ने सीधे नाक और कान पर हमला किया और उसे सुजा दिया तब भी उस दर्द भरे समय में भी छोटू ने गोलू से कहा - भाई फोटो खींच दे यार। मतलब ये कि दस्तूर कोई भी हो, फोटो खिंचना है तो है। अब कल की बात मैय्यत में गया तो अर्थी को कंधा देते देते तीन चार सेल्फी ले ही ली। दोस्त बीमार पड़ा तो उसके मुंह में जबरन केला ठूंसते एक फोटो खींच ही ली, ये बात और थी कि केला दोस्त के मुँह में तो नहीं गया पर दोस्त की जान जाते जाते बची और ये फोटुएँ भी दन्नदिनी से फेसबुक पर डाल दी।

मुहल्ले नगर में होने वाले आंदोलनों जलसों से उसे वैसे कोई मतलब नहीं पर उनमें शिरकत करने वाले नेताओं कलाकारों में हिम्मत नहीं कि उसे मना कर सके। आयोजकों ने एक दो बार कोशिश की रोकने की पर छोटू ने उनके साथ भी सेल्फी ले ही ली इस केप्शन के साथ फेसबुक पर पोस्ट- आयोजक मुझे रोकते हुये। कर देते हैं। कहीं का भी आयोजन हो छोटू की सेल्फियाँ मुस्कुराते हुए आती ही हैं। वह जानता है कि किसी बड़े व्यक्ति के साथ फोटो खिंचवाकर पोस्ट करने के फायदे पता नहीं पर अपना रुतबा दिखाने का मौका चूकने से बड़ा पाप कोई नहीं।

अब आप फेसबुक पर फोटो डालो और मित्र वर्ग उस पर लाईक कमेंट और सम्मति न दे तो खाना हजम हो सकता है क्या? बेचारे खुद भी इसी बीमारी के मरीज हैं वे भी। मैं तेरी पीठ खुजाता हूँ, तू मेरी खुजा की तर्ज पर लाईक, कमेंट करते ही हैं। छोटू की पोस्ट पर आंधी जैसे लाईक और कमेंट्स आते बस होता यह था कि पोस्ट उड़ नहीं जाती थी। छोटू दिखने में ऐसा नहीं था कि सामने दिखे तो कोई उसे लाईक करे पर फेसबुक पर उसकी फोटुएँ कमाल कर देती थीं। लोग यों तो उसे आधार कार्ड की फोटो देखकर ही पहचान पाते थे। पर फेसबुक वाली फोटो उन्हें भ्रम में डाल देती थीं। दर्शन में बताया गया, भ्रम या माया यही है शायद। जो लोगों को अपने जाल में फाँस लेती है।

उसकी देखा देखी दूसरा यही कृत्य करने के बारे में सोचने लगता है। वह भी एकांत में अपनी मुख मुद्राएँ बदलता बदलता रहता है। उसके मन में छोटू को लेकर ईर्ष्या भाव भी आता है। कौन है यह जो इतना सक्रिय हैं? दूसरा उस पर लगातार मुग्धता प्रदर्शित कर रहा है। बता रहा है कि साबजीऽ आपके सिवा इदर कोईबी नई दीखता। उम्र में थोड़ा बड़ा अपना बड़प्पन बनाए रखते हुये कहता है, फेसबुक पर फोटू, वाह छोटू। बस आत्ममुग्ध छोटू दन्नदिनी से आठ से चौदह फोटू फेसबुक पर चिपका ही देते हैं। अगले लाईक और कमेंट के लिए। छोटू ने अब इंस्टा पर भी अकाउंट खोल लिया है। अब रील बनाने का पूरा मूड है उसका।

दृष्टिकोण

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

जब कुछ भी साफ न दिखे तो समझ लेना कोहरा है

कोहरे से जूझने की ताकत या तो लेखन देता है या गपशप। कोहरा केवल वातावरण में ही नहीं दिखता बल्कि कोहरे का राज विचारों में, स्वभाव में और जिंदगी में भी छाया रहता है । बहुत सारे लोग ऐसे होते हैं जिन्हें देखकर आप किसी निष्कर्ष पर पहुंच ही नहीं सकते । हां भी कह देंगे और ना भी कह देंगे, इतना ही नहीं हां और ना साथ साथ कह देंगे और फिर ये भी कह सकते हैं कि हमने तो कुछ कहा ही नहीं । इस बात का कोई तथ्य भी नहीं होता है कि सच में उन्होंने कुछ कहा भी है। संशय के भंवरजाल में उन्हें ढूढ़ते रहिए कुछ भी नहीं मिलेगा। एकदम से कपूर की तरह उड़ते उड़ते उड़ जाते हैं। यह उनकी कला भी हो सकती है और नहीं भी क्योंकि उन्हें कुछ भी पता नहीं होता। और इस तरह उनकी दुनिया अपने ही हिसाब से चलती रहती है। वे इधर जाते हैं तो कभी उधर जाते हैं, ऐसा भी होता है कि वे कहीं नहीं जाते। उन्हें कहीं एक जगह एक ढ़ंग से आप देख ही नहीं सकते और जो कुछ आप सोच कर चलेंगे वह सब उनसे मिलने के बाद फेल हो जायेगा। ऐसे लोग किसी को भी पास नहीं होने देते ... इनके पास से कोई रास्ता नहीं जाता और न ही ये रास्ता देने की स्थिति में होते हैं पर हमेशा रास्ता बनाने का भ्रम बनाते चलते हैं। ये इतने व्यस्त होते हैं कि एक मिनट के लिए भी आराम की मुद्रा में नहीं दिखेंगे हर तरह के कार्य और कार्यक्रम उनसे 100 गज दूरी पर भागते रहते हैं। ऐसे लोगों की दुनिया में कोहरा एक रुपक की तरह होता है, कुछ भी साफ साफ न दिखना और जो कुछ दिखने लायक भी होता है उसे भी ये नहीं देखते। ऐसे लोग इस हिसाब से चलते हैं कि देखना, सोचना, विचारना किसी और का काम है, अपन तो जो पक रहा है उसी से काम चला लेंगे। कौन पकाने की जहमत पाले, जो मिल जाये वह ठीक नहीं मिले तो ठीकरा किस्मत पर फोड़ देंगे । क्या करें अपनी तो किस्मत ही खराब है। भला कैसे कोई काम करें कुछ भी तो लाभ नहीं होता। लाभ का बट्टा इनके पास होता ही नहीं। घाटा या रिस्क उठाने की स्थिति में ये होते नहीं। भला दुनिया भर का घाटा और जोखिम हम क्यों उठाये दूसरा कोई कुछ भी उठाये न उठाए यह उसकी बला है। वे तो बस अपने हाल में अपने ही ढ़ंग से मस्त रहना चाहते हैं। अब ये कौन समझाए कि दुनिया में कोई भी दूसरे के श्रम पर सुख नहीं भोगता और जो कुछ भोगता है वह क्षणिक ही होता है। असली सुख अपने ही श्रम में होता है और इसे पाने के लिए खुद चलना पड़ता है, काम करना पड़ता है और हर तरह के संघर्ष के लिए हर समय तैयार रहना होता है। यह भी सच है कि आपकी लड़ाई, आपको स्वयं लड़नी होती है किसी और के भरोसे कुछ भी नहीं हो सकता। न आप स्वयं संभलते हैं न ही आपसे आपकी दुनिया संभलती है और न ही आपका समाज आपसे कोई लाभ लेने की स्थिति में होता है। ऐसे में आप कुछ भी करें? किसी को क्या फर्क पड़ता। फिर तो आपकी उपस्थिति, अनुपस्थिति सब शून्य होती है और ऐसे शून्य के रूप में परिभाषित हो जाती है जिसका मान हर अवस्था में शून्य ही रहे। यह स्थिति किसी भी हाल में सुखकारी नहीं होती, इस स्थिति से समाज के सामने हमेशा संकट उठता रहता है। इनकी स्थिति समीकरण के रूप में यों बनती है कि- शून्य+शून्य= शून्य और यह शून्य अंततः शून्य बन घूमता रहता है उनके आगे पीछे । उन्हें इस बात से कोई लेना-देना नहीं होता है कि दुनिया क्या सोच रही है या दुनिया कहां जा रही है। दुनिया को जहां जाना है जाती रहे जिसे जो करना है वो करें उन्हें तो अपने ही हिसाब से अपनी दुनिया में रहना आता है। यहां वे अपने ढ़ंग से खुलते रहते हैं। यहां खुश भी हो सकते हैं और कुछ करते धरते भी दिख सकते हैं पर यह एक क्षणिक भाव होता है। स्थाई राग तो यही है अपने हिसाब से सरक लो दुनिया को जो करना है वह करेगी। इसीलिए बराबर से यह कहा जाता रहा है कि आप साफ रहे। आपका पथ क्लीयर हो और जो भी सामने धुंध छायीं है उसे दूर करने का उपाय करें। कैसी भी धुंध क्यों न छायी हों मित्रों के बीच छंट जाती है और खुशी का सूरज बात बात में खिल जाता है। बातों बातों में ही उर्जा का संसार रच बस जाता है। कोई भी समय हो, किसी भी तरह की स्थिति परिस्थिति क्यों न हो उस उपस्थिति में मित्रगण सहज ही एक संसार बसा लेते हैं और पूरी एक दुनिया ही बस जाती है जहां बात दर बात नई नई बात निकलती रहती है। जो होता है वहीं नहीं जो नहीं होता वह यहां सबसे ज्यादा उछ्लता है और अनुपस्थिति का ऐसा उपस्थित प्रयोग करते हैं कि विचारा वो होता तो क्या करता पर मित्रों की दुनिया इसी तरह गति करती रहती है, चलती रहती है और दुनिया भर की दुनियादारी को इन बातों के बीच से ही निकालते रहते हैं। यह एक ऐसा गलियारा है जहां तनाव नाम की चिड़िया नहीं बैठती। कुछ भी हो मित्रों की दुनिया में चाय की थड़ियां, जिंदगी और बातें, तरह तरह की कहानियां और जब कुछ कम हो तो जो नहीं है उसी की कहानी सुना सुना मगन हो जाने की कला ही तो मित्रों को सांसारिक बनाती है। संसार ही क्या जिसमें हंसी न हो और ऐसी हंसी क्या जो खुशी न दें। मित्रों की जो बातें हैं जो बातों की आग है वह सारे कुहरे की धुंध को छांट देती है। मित्रों के बीच यह कुहरा भी न जाने कहां चला जाता है। मित्र हैं कि हो हो हो हो...कर हंसते रहते हैं कई तो पेट पकड़ कर हंसते हैं क्योंकि उनके पास इतना विशाल पेट होता है कि एक न एक मित्र टेबल समझ कर चाय का कप भी रख देते हैं और मित्र हैं कि इसका भी बुरा नहीं मानते कहते हैं कि तुम लोग हो तो यह खुशी नाम की चिड़िया भी उड़ते-उड़ते आ ही जाती है । खुश होकर जीना अपने आप में बड़ी सिद्धि है । यह सबके बस का नहीं है।

यह क्या कम है जो फ्री में मिल जाता है। जितना चाहो उतना चाय पी लो बस जाते जाते पैसा दे जाना। फिर सब पैसे की माया पर कहानी सुनाने लगते हैं। हंसोड़ मित्रों के बीच कुछ रुआंधे भी होते हैं जिनके चेहरे पर हंसी उस तरह नहीं आती जैसे की आनी चाहिए या जिस तरह सबके चेहरे पर आ जाती है। उनके यहां हंसी भी बहुत सोच समझ कर आती है जब कभी वे मगन होते हैं तब वो मुछ के बालों के बीच से हंसते हैं और यह हंसी भी बहुत मुश्किल से आती है पूछते पूछते आप थक जाते हैं पर वो बताते नहीं हैं कि किस बात पर यह हंसी आयी है। पर मित्रों को पता रहता है कि उनकी यह हंसी अर्थ लाभ के पीछे से आयी है। अर्थ ही है जो इस संसार में कुछ न कुछ देने की स्थिति में रहता है और यहीं से खुशी भी उछ्ल कर रुआंधे के चेहरे पर चिपक जाती है। पर क्या बताएं चिपकी हुई हंसी का कोई न अहसास होता है न ही कोई अर्थ।

प्राण-प्रतिष्ठा द्वादशी महोत्सव

लोकेन्द्र सिंह

लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

घर-घर दीप जलाएं, आओ एक और दीपावली मनाएं

पिछले वर्ष मन में विचार आया था कि पौष शुक्ल द्वादशी को हम 'राम दीपावली' के रूप में प्रतिवर्ष मनाएं। कैलेंडर पर 22 जनवरी के साथ त्योहार का उल्लेख न देखकर बिटिया ने पूछा था कि- 'हमने कल जो त्योहार मनाया, दीप जलाए, रोशनी की। यहां उसके बारे में कहां लिखा है?' तब मैंने हर्षित मन से उसे बताया कि- 'अब जो कैलेंडर छपकर आयेंगे, उन पर लिखा होगा 'राम दीपावली'। और हाँ, उसे भी हमें 22 जनवरी को नहीं, पौष मास की शुक्ल पक्ष की द्वादशी को ही इसी उत्साह से मानना है'।

एक वर्ष पहले पौष शुक्ल द्वादशी (22 जनवरी, 2024) को भारतवासियों ने त्रेतायुग के बाद एक बार फिर अपने आराध्य भगवान श्रीराम के स्वागत में घर-घर दीप जलाए थे। श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में बने भव्य मंदिर में जब श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई, तब प्रत्येक रामभक्त की आँखों से नेह की धारा बह रही थी। आखिर रामभक्त भाव-विभोर हों भी क्यों नहीं, लगभग 500 वर्षों की प्रतीक्षा एवं संघर्ष के बाद जन्मभूमि में उल्लासपूर्वक श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। यह दिन भारत के लिए अविस्मरणीय है। प्रत्येक भारतवासी का मन था कि श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को उत्सव की परंपरा में शामिल कर दिया जाए। जैसे रावण का वध करके प्रभु श्रीराम के अयोध्या लौटने की घटना को हमने दीपोत्सव के रूप में त्रेतायुग से आज तक अपनी स्मृति में संजोकर रखा है, उसी तरह श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के उत्सव को भी 'दीपावली' की भाँति ही मनाया जाए। पौष शुक्ल द्वादशी को प्रत्येक हिन्दू घर रोशन हो और देहरी-मुडेर पर दीपों की मालिका जगमगाए।

पिछले वर्ष मन में विचार आया था कि पौष शुक्ल द्वादशी को हम 'राम दीपावली' के रूप में प्रतिवर्ष मनाएं। कैलेंडर पर 22 जनवरी के साथ त्योहार का उल्लेख न देखकर बिटिया ने पूछा था कि- 'हमने कल जो त्योहार मनाया, दीप जलाए, रोशनी की। यहां उसके बारे में कहां लिखा है?' तब मैंने हर्षित मन से उसे बताया कि- 'अब जो कैलेंडर छपकर आयेंगे, उन पर लिखा होगा 'राम दीपावली'। और हाँ, उसे भी हमें 22 जनवरी को नहीं, पौष मास की शुक्ल पक्ष की द्वादशी को ही इसी उत्साह से मानना ह'। हम अपने सभी त्यौहार हिन्दू पंचाग के अनुसार ही तो मनाते हैं। मन की यह कामना ईश्वर की कृपा से पूरी हो रही है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर भी आनंद की बात है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महामंत्री चंपत राय ने भी स्पष्ट किया है कि हिंदू कैलेंडर के मुताबिक श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पौष शुक्ल द्वादशी (22 जनवरी 2024) को की गई थी। इसलिए उसकी वर्षगाँठ हिन्दू कैलेंडर के अनुसार ही पौष शुक्ल द्वादशी को मनायी जाएगी। 2025 में यह तिथि आंग्ल कैलेंडर के अनुसार 11 जनवरी को है।

न्यास ने की है अयोध्या में भव्य उत्सव की तैयारी: यह भी हर्ष की बात है कि करोड़ों रामभक्तों के हृदय की पुकार श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास तक पहुँच गई। निश्चित ही यह भी राम की कोई लीला रही होगी। न्यास ने निर्णय लिया है कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ को 'प्राण-प्रतिष्ठा द्वादशी महोत्सव' के नाम से भव्य रूप में मनाया जाएगा। राम मंदिर में 11 जनवरी से शुरू होने वाला यह महोत्सव तीन दिन तक चलेगा। न्यास के महामंत्री चंपत राय ने तीन दिवसीय महोत्सव के विविध कार्यक्रमों एवं अनुष्ठानों की विस्तृत जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा के कार्यक्रम 5 स्थलों पर चलेंगे। कार्यक्रम में उन संत-महात्माओं और गृहस्थों को आमंत्रित किया जा रहा है जिन्हें प्राण-प्रतिष्ठा में नहीं बुलाया जा सका था। इसका दायित्व अखिल भारतीय धर्माचार्य संपर्क प्रमुख अशोक तिवारी को सौंपा गया है।

तीन दिनों तक राममय रहेगी अयोध्या

न्यास के महामंत्री चंपत राय ने बताया कि देश के ख्याति प्राप्त भजन गायक रामलला की स्तुति करेंगे। 11 से 13 जनवरी तक एक बार फिर से अयोध्या को धार्मिक अनुष्ठा नों, वैदिक मंत्रों, भजन कीर्तन और हनुमान चालीसा के पाठ से शोधित किया जाएगा। 11 जनवरी को पौष शुक्ल द्वादशी के दिन श्रीरामलला का विशेष अभिषेक और आरती की जाएगी। यह पूजा दोपहर 12:20 बजे होगी, जो श्रीरामलला की प्रतिष्ठा के समय के अनुरूप है।

हम क्या कर सकते हैं

'प्राण-प्रतिष्ठा द्वादशी महोत्सव' के अवसर पर सब तो अयोध्या धाम नहीं जा पाएंगे। ऐसे में हम कैसे अपने आराध्य भगवान श्रीराम का स्वागत कर सकते हैं?

- हम जैसे दीपावली पर अपने घरों को सजाते हैं, वैसे ही 11 जनवरी को हमें अपने घरों को रोशन करना है।
- दरवाजे-आंगन में रंगोली सजानी है।
- रसोईघर में पकवान पकने चाहिए। प्रसाद बने।
- शाम को भगवान श्रीराम की आरती या रामरक्षा स्त्रोत का पाठ कर सकते हैं।
- दीपक जलाकर प्रभु श्रीराम का स्वागत कर सकते हैं।
- एक-दूसरे को इस नयी दीपावली की शुभकामनाएं एवं बधाइयां दे सकते हैं।

ऐसा लगे कि भारत में एक बार फिर से दीपावली मनायी जा रही है। यह उत्सव हमें 500 वर्षों के पुरुषार्थ और सौभाग्य से मिला है। इसलिए इस उत्सव को आनंद के साथ मनाने की एक परंपरा शुरू होनी चाहिए।

विश्लेषण

प्रभुनाथ शुक्ल

लेखक पत्रकार हैं।

दुर्घटना में मुफ्त इलाज की सार्थक नीति

भारत में बढ़ते सड़क हादसे चिंता का विषय है।सबसे अहम बात है कि हादसों में सबसे अधिक युवा अपनी जान गवाते हैं। सड़क हादसे आम परिवारों के लिए बेहद पीड़ादायक होते हैं। लेकिन सवाल उठना है कि सड़क हादसे क्यों होते हैं। क्या सड़क हादसों के पीछे यातायात नियम दोषी हैं या फिर सड़कों की खस्ता हाली। दूसरा अहम सवाल है कि सबसे अधिक युवाओं की ही मौत क्यों होती है। सड़क दुर्घटनाओं का विश्लेषण करने से पता चलता है कि वाहनों के संचालन के लिए जो यातायात नियम बने हैं निश्चित रूप से हम उनका अनुपालन नहीं करते। अगर हम यातायात नियमों का पालन करें। वाहनों का मेंटेनेंस और फिटनेस का ख्याल रखें तो सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है।

गुजरे साल 2024 में हमारे देश में सड़क हादसे में 1.80 लाख लोगों की जान गई। जबकि 30 हजार लोगों की मौत का कारण हेलमेट बना। क्योंकि वाहन चलाते समय उन्होंने हेलमेट नहीं लगाया था। आंकड़ों का सबसे दुःखद पहलू यह है कि 10 हजार स्कूली बच्चों को, स्कूलों में गलत प्रवेश और एग्जिट प्वाइंट की वजह से अपनी जान गंवानी पड़ी। अपने आप में यह बड़ा सवाल है। साल 2024 में हुई कुल मौतों में सबसे अधिक संख्या युवाओं की रही है। सड़क हादसों में मरने वाले 66 फीसदी युवा थे जिनकी उम्र 18 से 34 वर्ष के बीच थी। केंद्रीय सड़क राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़ों की माने तो मरने वालों में तकरीबन तीन हजार ऐसे लोग भी शामिल थे जिन्होंने ड्राइविंग लाइसेंस नहीं लिया था। मंत्रालय के अनुसार देश में अभी 22 लाख प्रशिक्षित चालकों की कमी है। केंद्रीय सड़क राजमार्ग मंत्रालय देश भर में 1250 ड्राइविंग लाइसेंस सेंटर खोलने जा रहे हैं। मार्च में इस योजना की शुरुवात होगी। प्रशिक्षण लेने के बाद लोगों जहाँ रोजगार मिलेगा वहीं देश को प्रशिक्षित चालक भी मिलेंगे। निश्चित रूप से राजमार्ग मंत्रालय की यह अनूठी पहल है।

आमतौर पर देखा गया है कि हम वाहन चलाते समय यातायात नियमों और सड़क पर प्रदर्शित संकेतों का प्रयोग नहीं करते हैं। हमें यात्रा के दौरान वाहनों की स्पीड सीमा को नियंत्रित करना चाहिए। सड़क हादसों से सिर्फ एक व्यक्ति की मौत नहीं होती, कभी-कभी तो पूरा परिवार ही सड़क दुर्घटनाओं का शिकार हो जाता है। वाहनों के संचालन के दौरान वाहनों पर हमारा खुद का नियंत्रण होना चाहिए। नशे की हालत में वाहनों का संचालन कभी नहीं करना चाहिए। लेकिन तमाम कानूनी कवायद के बाद भी हम जिंदगी के प्रति बेहद लापरवाह होते हैं। कभी-कभी ऐसा भी देखा गया है कि खुद सुरक्षित ड्राइविंग करने के बाद भी हम दूसरे की गलती से हादसे का शिकार हो जाते हैं। हमें ऐसी स्थिति से बचना चाहिए।

भारत सरकार और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय सड़क दुर्घटनाओं में मौत के आंकड़े को नियंत्रित करने के लिए एक अच्छी पहल लेकर आया है। भारत में पहली बार सड़क हादसों में घायल व्यक्तियों का कैशलेस इलाज होगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय राजमार्ग मंत्रालय के मुखिया नितिन गडकरी की यह अनूठी पहल वाकई काबिले तारीफ़ है। मंत्रालय की इस पहल से लाखों लोगों को इलाज उपलब्ध कराकर घायलों की जान बचाई जा सकती है। घायल व्यक्ति का किसी भी अस्पताल में एक सप्ताह तक मुक्त इलाज होगा। सरकार इस पर 1.50 लाख रूपए का भुगतान करेगी। पीड़ित को इलाज पर आने वाले डेढ़ लाख के खर्च पर कोई अतिरिक्त भुगतान सम्बन्धित अस्पताल को नहीं करना होगा।

अभी तक सड़क हादसों में आमतौर पर यह देखा गया था कि दुर्घटनाओं में घायल व्यक्ति को लोग अस्पताल तक ले जाने में हिचकते थे, लेकिन मंत्रालय ने अब सम्बन्धित घायल को अस्पताल तक पहुंचाने एवं जान बचाने वाले व्यक्ति के लिए रूपये पांच हजार के पुरस्कार की घोषणा की है। निश्चित रूप से इस तरह की योजना घायलों के लिए वरदान साबित होगी। जबकि अब तक लोग पुलिस की कानूनी जाँच पड़ताल की वजह से किसी घायल की मदद के लिए आगे नहीं आते थे। जिसकी वजह से समय पर इलाज न मिलने से घायल व्यक्ति दमतोड़ देता था।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय देश के कुछ हिस्सों में इस योजना को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लागू किया था। लेकिन अब इस योजना को पूरे देश में मार्च से लागू किया जाएगा। इस योजना की एक और अच्छी विशेषता यह होगी हिट एंड रन जैसे मामले में जान गवाने वाले व्यक्ति के परिवार को दो लाख रुपए की तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। हालांकि इस योजना में थोड़े से सुधार की आवश्यकता है। कभी-कभी गंभीर हादसों का शिकार हुआ व्यक्ति कोमा में चला जाता है उस दौरान उसके इलाज पर काफी लंबा खर्च होता है।

मध्यम एवं कम आयवर्ग के परिवारों के लिए इतने पैसे का भुगतान करना काफी मुश्किल होता है। लोगों को अपने घर मकान और खेत तक बेचने या गिरवी रखनी पड़ते हैं। ऐसी हालत में सरकार को एक्सीडेंटल हेल्थ बीमा स्कीम लेकर आनी चाहिए। हलांकि निजी क्षेत्र में बीमा कम्पनियां इस तरह की स्कीम लांच किया है। लेकिन उसका प्रीमियम अधिक होने से आम आदमी के लिए यह सम्भव नहीं है। वाहनों को खरीदते समय ही कम पैसे में एक मुश्त आजीवन प्रीमियम भुगतान पॉलसी होनी चाहिए। जिसका लाभ उसे दुर्घटना जैसी विषम स्थिति में मिल पाए। इस तरह की योजना वाहन चालक और सरकार दोनों के हित में होगी। राजमार्ग मंत्रालय को इस तरह की योजनाओं पर विचार करना चाहिए।

केंद्र सरकार इसी योजना के क्रम में देश भर में एक और अवसर लेकर आ रहीं है। जिसमें वाहनों की कबाड़ पॉलसी एवं ड्राइविंग ट्रेनिंग पॉलिसी भी शामिल है। यह भी अपने आप में एक बेहतरीन पॉलिसी है। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार देश भर में 1250 नए ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर के साथ वाहनों के फिटनेस सेंटर खोले जाएंगे। सरकार इस पर साढे चार हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी। 25 लाख लोगों को ड्राइविंग लाइसेंस मिलेगा। इससे देश में जहाँ कुशल चालकों की कमी को पूरा किया जाएगा वहीं दूसरी तरफ लोगों को रोजगार भी मिलेगा। केंद्र सरकार एवं राजमार्ग मंत्रालय की इन नीतियों से साफ होता है कि सुरक्षित यात्रा को लेकर सरकार बेहद गंभीर है।

युवा संगम के तहत आयोजित रोजगार मेले में 107 आवेदकों का किया चयन

बैतूल। जिला रोजगार कार्यालय बैतूल, आईटीआई एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में युवा संगम के तहत शासकीय जयवंती हॉक्सर महाविद्यालय बैतूल में शुक्रवार को जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बारस्कर के द्वारा किया गया। इस रोजगार मेले में कुल 353 आवेदकों ने पंजीयन कराया था, जिसमें 13 कंपनियों के द्वारा 107 आवेदकों का प्राथमिक रूप से चयन कर 107 को लेटर ऑफ इंटेंट प्रदान किए गए।

पतंजलि जिला प्रभारी सुनील कुबड़े को मातृशोक

बैतूल। पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी सुनील कुबड़े की माताजी एवं बाबूराव कुबड़े की धर्मपत्नी 75 वर्षीय श्रीमती कलाबाई

कुबड़े का 10 जनवरी सुबह 9 बजे रमली ग्राम आमला में निधन हो गया। पिछले कुछ दिनों से उनका स्वास्थ्य खराब था। वे अपने पीछे तीन बेटियां और दो बेटों के साथ पोता-पोती, नाती-नातिन समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गईं। उनका अंतिम संस्कार आज शनिवार 11 जनवरी को सुबह होगा। उनकी अंतिम यात्रा रमली ग्राम में रुकमणी मंदिर के पास स्थित घर से सुबह 10 बजे निकलेगी और ग्राम के ही मोक्षधाम में अंतिम संस्कार होगा। श्रीमती कलाबाई कुबड़े के निधन पर सभी योग साधकों के अलावा जिले के सभी गणमान्य नागरिकों ने दुख व्यक्त कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

जोन स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में तुषार ने पाया प्रथम स्थान

बैतूल। जोन स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन पचमढ़ी में किया गया। जिसमें कक्षा 9 से 12 वर्ग में तुषार पिता गणपति पवार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बैतूल जिले का नाम रोशन किया। तुषार पवार उच्चतर माध्यमिक शाला भडूस का विद्यार्थी है। शिक्षक उमेश शर्मा भडूस के मार्गदर्शन में तुषार ने तैयारी कर प्रथम प्राप्त किया जो शाला और गांव भडूस के लिए गर्व का विषय है। तुषार एक गरीब परिवार का विद्यार्थी है। उसके पिता घरों की पुताई का काम कर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे है। शाला परिवार एवं गांव के जनप्रतिनिधियों ने तुषार की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए तुषार एवं उमेश शर्मा सर को शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

भाजपा 11 से 25 जनवरी तक संविधान गौरव अभियान चलायेगी

धार। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के आव्हान पर भाजपा द्वारा भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर उत्सव मनाने ''संविधान गौरव अभियान'' चलाया जायेगा। इस अभियान का शुभारंभ 11 जनवरी को होगा, जो 25 जनवरी तक चलेगा। बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती मनाने वर्ष भर अभियान चलेगा। 9 जनवरी 1900 को बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के विरूद्ध युद्ध प्रारंभ किया था। उनके शौर्य को याद करते हुए वर्ष भर अभियान चलाया जायेगा। जनसभा के माध्यम से प्रदेश में अभियान प्रारंभ किया जायेगा जिसमें सांसद विधायक समेत वरिष्ठ नेतागण शामिल होंगे। संविधान गौरव अभियान के माध्यम से भारतीय संविधान के मूल्यों और सिद्धांतों का प्रचार किया जायेगा और संविधान शिल्पकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी जायेगी। अभियान के तहत 11 से 25 जनवरी तक अनुसूचित जाति, बुद्धिजीवी, महिला और युवा वर्ग, हॉस्टल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों से विशेष संपर्क कर संविधान की प्रतियों का वितरण एवं जनसभाओं का आयोजन किया जायेगा। अभियान के तहत गोष्ठियों का आयोजन किया जायेगा। अभियान के समापन के दिन 25 जनवरी को भाजपा कार्यकर्ता हर बूथ पर संविधान की प्रस्तावना पढेंगे।

एक्ट ईव फाउंडेशन ने चार गांवों के 150 बच्चों को कड़कड़ाती ठंड में दी स्वेटर सौगात

देवास। शहर की सामाजिक संस्था एक्ट ईव फाउंडेशन और जनपरिषद देवास चैप्टर ने अपने सामाजिक दायित्वों के तहत सहयोगियों की सहायता से ग्रामीण क्षेत्र के चार गांवों के 150 से अधिक बच्चों को कड़कड़ाती ठण्ड मे राहत के लिए ब्लेजर और स्वेटर की सौगात दी। संस्था अध्यक्ष मोहन वर्मा व सचिव किशोर असनानी ने बताया कि टोंक कला,धानी तथा देवली स्थित विमुक्त घुमंतू वर्ग के बालकों के छात्रावास में तकरीबन 75 बच्चों को ब्लेजर भेंट किए गए। संस्था के इस प्रोजेक्ट में वंदना प्रदीपशर्मा,मनीषा असनानी, आलेख वर्मा,श्रीमती गुलाब वर्मा, दीपक शुक्ला, प्रवीण शर्मा, किशन सिंह कुशवाह, काकोली अमल बेरा का आर्थिक सहयोग रहा। देवली छात्रावास में हुए कार्यक्रम की अतिथि पिछड़ा वर्ग की सहायक संचालक श्रीमती सपना चौहान खरते थीं। कार्यक्रम में पवन बिलावलिया, मनोज चौधरी,धर्मेंद्र पटेल, निरंजन चौधरी,शिवानी कुशवाह उपस्थित थे।

खाद्य विभाग का मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत 9 महीने में लिये 1290 सैंपल

816 की आई रिपोर्ट, 6.60 लाख का जुर्माना

संजय द्विवेदी, बैतूल। मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने त्योहारों के समय विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री के सैंपल लिये थे। इन सैंपलों को जांच के लिए लैब भेजा जाता है, लेकिन समय पर रिपोर्ट नहीं आने से वह सामग्री बाजार में खप जाती है। बैतूल जिले में खाद्य अधिकारियों ने 1 अप्रैल से 31 दिसंबर 2024 तक कुल 1290 लीगल और सर्विलेंस नमूने लिये, जिन्हें जांच के लिए लैब भेजा था, जहां से मात्र 63 प्रतिशत यानी 816 नमूनों की ही रिपोर्ट आई। 36 फीसदी नमूनों की रिपोर्ट साल बीतने के बाद तक नहीं आ सकी है। खाद्य सुरक्षा विभाग दो प्रकार के नमूने लेता है। लीगल नमूनों और सर्विलेंस नमूने लेकर जांच के लिए स्टेट लैब भोपाल भेजा जाता है। वर्ष 2024 की बात करें तो 1 अप्रैल से 31 दिसंबर तक 272 लीगल नमूने लिए। उनमें से 180 सैंपलों की ही जांच हो पाई। 91 नमूनों की रिपोर्ट साल बीतने तक नहीं आ सकी। व्यवस्था यह होना चाहिए कि जिले से जितने सैंपल जांच के लिए भोपाल भेजे जाते हैं। उनकी जांच रिपोर्ट समय-सीमा में जिले को वापस मिलना चाहिए, ताकि रिपोर्ट के आधार पर अधिकारी से अभियोजन की स्वीकृति लेकर दोषी कारोबारियों पर प्रकरण सक्षम न्यायालय में लगाए जा सकें। वर्ष 2024 में 1018 सर्विलेंस सैंपल लिए उनमें से 716 सैंपलों की रिपोर्ट प्राप्त हो सकी।

474 रिपोर्ट आना बाकी, 14 सैंपल फैल

जिले में खाद्य विभाग द्वारा जो नमूने लिये गये थे, उसमें से 91 लीगल नमूनों की रिपोर्ट आना बाकी है। इसी तरह सर्विलेंस नमूनों में 302 नमूनों की रिपोर्ट अभी अप्राप्त है। वहीं 14 नमूनों के सैंपल फैल हो गये। खाद्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस साल 11 प्रकरणों को दायर किया गया था। जिसमें से एक प्रकरण लंबित है। वहीं 2023 व 2024 के विचाराधीन प्रकरणों में से 19 मामलों में फैसले आए, जिनमें कारोबारियों को दोषसिद्ध कर पाया। दोषसिद्ध कारोबारियों पर 6 लाख 60 हजार का जुर्माना किया। इस वर्ष की सारी कार्रवाई केवल जुर्माना तक सीमित है। जबकि मिलावटखोरी के मामले में कारावास तक का प्रावधान है।

सबसे ज्यादा सर्विलेंस नमूने लिए

जिला खाद्य औषधि प्रशासन विभाग द्वारा 1 अप्रैल से 31 दिसंबर के दौरान 1018 सर्विलेंस नमूने लिये। जबकि अभियान के दौरान विभाग द्वारा जो लीगल नमूने जांच के लिए गए थे, उनमें दूध और मावे से बने खाद्य पदार्थों के नमूने जांच में फेल हुए हैं। दूध के भी कई सेम्पल जांच में फेल पाए गए हैं। दूध में फैट की कमी होना और मावे और इससे बनी मिठाईयों में मिलावाट होना पाया गया। इसके अलावा अन्य खाद्य पदार्थों के सैंपलों में भी मिलावट होना सामने आया है। बाजार में कई ऐसे मिथ्या छाप ब्रांड भी बिक रहे हैं। जिन पर भी विभाग द्वारा कार्रवाई की गई है।

जानिए क्या है.... अवमानक, मिथ्याछाप व असुरक्षित

असुरक्षित – जानकार बताते है कि असुरक्षित ऐसे खाद्य पदार्थ को कहा जाता है जो व्यक्ति के खाने योग्य नहीं है व हानिकारक है। मनुष्य के स्वास्थ्य व जीवन को संकट में डाल सकता है। इसमें जुर्माना के साथ सजा का प्रावधान है।

अवमानक – सरकार द्वारा जो मानक तय कर रखे हैं, उसके अनुसार उसमें निर्धारित तत्व हैं या कम-ज्यादा हैं। जांच में ऐसे पदार्थ को अवमानक कहा जाता है। इसमें भी जुर्माना का प्रावधान है।

मिथ्याछाप – इसमें पैकिंग सामग्री पर नाम, पता, दिनांक आदि नहीं लिखना या गलत लिखना व बिना पैकिंग वाली खाद्य सामग्री भी शामिल है। इसमें भी जुर्माने का प्रावधान है।

आंकड़ों में जानकारी

1 अप्रैल से 31 दिसंबर 2024 तक
लीगल नमूने - 272
सर्विलेंस नमूने - 1080
रिपोर्ट आई - 816
अप्राप्त रिपोर्ट - 474
फैल नमूने - 14
प्रकरण दायर - 11
निर्णित प्रकरण - 19(नये/पुराने)
लंबित प्रकरण - 01
जुर्माना - 6.60 लाख

इनका कहना है –

हम सैंपल लेकर जांच के लिए भेज देते है। रिपोर्ट आने के बाद प्रकरण दायर करते है। पिछले 9 महीने में कुल 1290 सैंपल लिये थे, जिसमें से 816 नमूनों की रिपोर्ट आई है। इस साल 6 लाख 60 हजार का जुर्माना लगाया है।

–संदीप पाटिल,
खाद्य सुरक्षा अधिकारी, बैतूल

श्री महामृत्युंजय जाप अनुष्ठान का हुआ समापन

महाप्रसादी ग्रहण करने श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

बैतूल। पांच दिवसीय महामृत्युंजय जाप का 10 जनवरी शुक्रवार को विशाल भंडारे के साथ समापन हुआ। भंडारे में लगभग हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। यह अनुष्ठान जिले में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे एवं भगवान महादेव की कृपा क्षेत्रवासियों पर बनी रहे इस हेतु किया गया। नगर के देशबंधु वार्ड टिकारी के श्रीराम भक्त हनुमान मंदिर के पास श्री महामृत्युंजय जाप अनुष्ठान का आयोजन पौष शुक्ल पक्ष सप्तमी सोमवार 6 जनवरी से शांति पाठ किया जा रहा था, इसका समापन पौष शुक्ल पक्ष एकादशी शुक्रवार 10 जनवरी को हवन, यज्ञ कर महाप्रसादी के साथ किया गया।

आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए श्रीराम सेना के मीडिया प्रभारी संदीप सोलंकी ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रीराम सेना समिति के अध्यक्ष दिनेश शेषकर और समिति के सदस्यों द्वारा 6 जनवरी से प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक तथा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक जाप एवं अभिषेक भक्तों द्वारा किया जा रहा था। श्री महामृत्युंजय जाप का समापन 10 जनवरी को दोपहर हवन पूजन के साथ किया गया। इसके पश्चात् महाप्रसादी का वितरण किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध लगकर प्रसादी ग्रहण की। आयोजन मंडल के श्रीराम हनुमान मंदिर टिकारी श्रीराम सेना समिति बैतूल के दिनेश देशकर, गोकुल डिकारे, मनोज करोले, राजेश पानकर (पार्षद), काशीनाथ लोखंडे, प्रमोद झोड़, दिनेश धोटे, दिनेश कुम्भारे, संदीप सोलंकी, आंशिक पटने, राकेश दहीकर, मनीष जोशी, गणेश देशकर, अशोक बारस्कर, मुकेश बारस्कर, मुकेश सराटकर, शशी ढोलेकर, ललित धोटे, कृष्णा बारस्कर, चंदू दाबड़े, बाबा भैय्या सहित वार्डवासियों के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

सुरो के संगम की तैयारी पूर्ण

आज होगी शानदार म्यूजिकल नाइट

बैतूल। 11 जनवरी को होने वाले सुरो के संगम की तैयारियां पूर्ण हो चुकी है। स्टेडियम में भव्य म्यूजिकल नाइट का आयोजन होने जा रहा है। आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। संतुलन समिति के अध्यक्ष सजल प्रशांत गर्ग ने बताया कि दिव्यांगों के सहायतार्थ सामाजिक संस्था संतुलन के द्वारा बड़े स्तर पर इस म्यूजिकल नाइट का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन का सभी को बेसब्री से इंतजार है ताकि वह सुरों के संगम का आनंद उठा सके। आयोजन समिति के सदस्य एवं बैतूलबाजार नगर पालिका के ब्रांड एम्बेसेडर एवं आयोजन समिति के सदस्य विनय वर्मा ने बताया कि लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में आज होने वाली म्यूजिकल नाइट के लिए शानदार स्टेज तैयार हो चुका है। इसके अलावा नागपुर से साउंड सिस्टम बुलाया गया है और लाइटिंग सहित ट्रस इटारसी से मंगाया गया है। स्टेज, साउंड और लाइटिंग की व्यवस्थित फिटिंग होने के बाद इनका तकनीकी इंजीनियरों ने निरीक्षण भी कर लिया है ताकि कहीं कोई कमी नहीं रह सके। कुल मिलाकर शानदार आयोजन को लेकर समिति के पदाधिकारियों द्वारा हर बारीकी से व्यवस्था बनाई जा रही है।

आज पहुंचेंगे म्यूजिकल नाइट के सिंगर– आयोजन समिति के सदस्य मुन्ना सिंह (संजीव सिंह)बगडोना ने बताया कि संतुलन समिति के तत्वावधान में की जा रही म्यूजिकल नाइट के लिए कल अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ढोलक वादक गिरीश विश्वा के अलावा इंडियास गॉट टैलेंट फेम इशिता विश्वकर्मा, इंडियन आयडल फेम सवाई भट्ट, आशीष कुलकर्णी, सिरीश भागवतुला बैतूल पहुंचेंगे और रात्रि 7.30 बजे से म्यूजिकल नाइट में अपनी शानदार प्रस्तुति देंगे। श्री सिंह ने बताया कि सिंगरों का समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा।

दुल्हन की तरह सजा स्टेडियम– 11 जनवरी को होने वाली म्यूजिकल नाइट के लिए संतुलन समिति द्वारा पूरे स्टेडियम में आकर्षक रोशनी की व्यवस्था की गई है जिससे पूरा स्टेडियम जगमग होने लगा है। इसके साथ ही सभी गेटों पर नंबर और नाम के होर्डिंग्स भी लगा दिए गए हैं जिससे कि म्यूजिकल नाइट में आने वाले श्रोताओं को पास के अनुसार ही अपनी श्रेणी में बैठने परेशानी ना हो सके। इसके अलावा पूरे स्टेडियम में कुर्सियां भी लगा दी गई है। साथ ही चारों ओर पर्दे भी लगाए गए हैं ताकि शीतलहर से श्रोताओं को अत्यधिक ठंड का एहसास ना हो सके। कुल मिलाकर पूरे स्टेडियम में को दुल्हन की तरह सजा दिया गया है जो कि देखने में बेहद आकर्षक नजर आ रहा है।

आधा घंटा पहले सुरक्षित कर ले स्थान– आयोजन समिति के सदस्य एवं लोणारी कुनबी समाज युवा इकाई के वरिष्ठ पदाधिकारी पंकज साबले ने संगीत प्रेमियों से अपील की है कि जिन के पास प्रवेश पास हैं वे कृपया कार्यक्रम चालू होने के आधा घंटे पहले अपना स्थान सुरक्षित करवा ले, ताकि बिना किसी परेशानी के कार्यक्रम का आनंद ले सके। उन्होंने बताया कि स्टेडियम में म्यूजिकल नाइट 11 जनवरी को 7.30 बजे प्रारंभ हो जाएगी इसलिए श्रोताओं से अपील की जाती है कि वे समय का ध्यान रखें। श्री साबले ने बताया कि जिस व्यक्ति के पास जिस श्रेणी का पास है उन्हें उसी गेट से प्रवेश करना होगा।

सापना बोट क्लब जिले में जल पर्यटन का उत्कृष्ट स्थान : प्रभारी मंत्री

सापना बोट क्लब पहुंचकर प्रभारी मंत्री ने सापना में जल पर्यटन का लिया आनंद

बैतूल। प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध बैतूल जिले में पर्यटन की अपार संभावना है। पर्यटन विभाग के सहयोग से सापना बोट क्लब की सुविधा जिले में मिली है। यह जिले में जल पर्यटन का सबसे उत्कृष्ट स्थान है। यह विचार बैतूल जिले के प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने शुक्रवार को सापना बोट क्लब का भ्रमण करने के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सापना बोट क्लब क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। बोट क्लब के अतुल शुक्ला, श्रद्धा शुक्ला ने प्रभारी मंत्री को बोट क्लब , रिसोर्ट के अलावा अन्य सुविधाओं के विस्तार की समग्र जानकारी दी। मंत्री पटेल ने सुझाव दिया कि एडवेंचर गतिविधि बढ़ाने के लिए एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए इस स्थान पर अन्य गतिविधियों का संचालन भी शुरू किया जाए। प्रभारी मंत्री के साथ पहुंचे विद्या भारती के सह संगठन मंत्री अनिल अग्रवाल ने बोट क्लब के संचालकों को पर्यटन सुविधा का विस्तार करने के लिए बधाई देते हुए इसे सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्थल बनाने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए। सापना बोट क्लब एवं रिसोर्ट से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होने की संभावना है। जल पर्यटन और इसके सहायक उद्योग जैसे होटल, परिवहन, और गाइड सेवाएं क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। देंगे। सापना जलाशय के प्राकृतिक सौंदर्य और जल संसाधन का उपयोग पर्यटन के माध्यम से करना एक दूरदर्शी कदम है, जिससे क्षेत्र की पहचान राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ सकती है। यह पहल स्थानीय और बाहरी पर्यटकों को आकर्षित करेगी। पर्यटन के माध्यम से जिले की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इस दौरान समाजसेवी संजय पप्पी शुक्ला, टेकचंद साहू, प्रशासनिक अधिकारी, गणमान्य जन एवं स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मौसम को देखते हुए कृषि विभाग ने जारी की एडवाइजरी

बैतूल। मौसम में हो रहे बदलाव और अचानक ठंड बढ़ने से फसलों पर होने वाले प्रभाव को देखते हुए कृषि विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। कृषि विभाग के उप संचालक आनंद बड़ोनिया ने बताया कि वर्तमान मौसम को ध्यान में रखकर रबी फसलों की सिंचाई एवं फसलों के उचित पोषण के लिए किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग द्वारा उपयोगी सलाह अपनाकर रबी फसलों में अच्छा उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। किसान गेहूँ की फसल में दूसरी सिंचाई बुवाई के 40 से 50 दिन बाद कल्ले निकलते समय करें। साथ ही सिंचाई के बाद ही गेहूँ के खेत में यूरिया का छिडकाव करें, जिससे नाइट्रोजन का समुचित उपयोग हो सके। यूरिया का छिडक़ाव टॉप ड्रेसिंग सुबह या रात में न करें, क्योंकि ओस की बूंदों से संपर्क में यूरिया आने से पौधों की पत्तियाँ जल जाती हैं। इसलिए दिन के समय यूरिया का छिडक़ाव करे। सरसों -फसल पर माहू कीट का प्रकोप दिखाई देने पर डायमेथॉएट 30 ईसी 2 एमएल प्रति लीटर अथवा एमिडाक्लोरपिड 0.2 एमएल प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिडक़ाव करना उचित रहता है। तापमान में तीव्र गिरावट के कारण पाले की भी आशंका रहती है, इससे बचने के लिए डाई मिथाइल सल्फो ऑक्साइड का 0.2 प्रतिशत अथवा 0.1 प्रतिशत थायो यूरिया का छिडक़ाव लाभप्रद होता है।

हितग्राहियों को भुगतान संबंधी योजनाओं में जिला अधिकारी सतर्क और सजग रहें : प्रभारी मंत्री

प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने की विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा

बैतूल। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा जिले के प्रभारी मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष बैतूल में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ समस्त विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में विधायक बैतूल हेमंत खंडेलवाल, विधायक भैंसदेही महेंद्र सिंह चौहान, विधायक मुलताई चंद्रशेखर देशमुख, विधायक आमला डॉ योगेश पंडाग्रे, विधायक घोड़ाडोंगरी श्रीमती गंगाबाई उईके, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने विभागवार योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने समस्त नगरीय निकायों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत पात्र व्यक्ति आवास के लाभ से वंचित न रहे। सुनिश्चित करें कि किसी भी अपात्र व्यक्ति को लाभ न मिले। आवास योजना के तहत प्राप्त नवीन लक्ष्यों के स्वीकृति के दौरान

आवेदक के समस्त दस्तावेजों का गहन परीक्षण किया जाए। अभियान चलाकर पात्र व्यक्तियों का चिन्हांकन किया जाए। शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा कर प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि निशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सूचित कर उनके माध्यम से बच्चों को साइकिल वितरित कराएं। उन्होंने जनजाति विभाग एवं शिक्षा विभाग अंतर्गत लंबित छात्रवृत्ति के प्रकरणों की जानकारी भी ली। उन्होंने सहायक आयुक्त जनजाति कार्य एवं जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि शासन के पास फंड की कोई कमी नहीं है, पात्र छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति प्राप्त हो। पोर्टल एवं खाता संबंधी परेशानियों को दूर कर छात्रवृत्ति के लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाएं।

प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जिला प्रशासन की सक्रियता से जिले के जेएच कॉलेज में छात्रों की छात्रवृत्ति वितरण में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही की गई है। भविष्य में ऐसी अनियमितता दोबारा ना हो। छात्रवृत्ति सहित अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन में सभी जिला अधिकारी पूरी तरह सतर्क और सजग रहें। उन्होंने जेईई/नीट के तैयारी के लिए शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही निशुल्क क्लासेस के संचालन कार्य की सराहना भी की। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने उद्योग विभाग की समीक्षा कर निर्देशित किया कि जिले के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों का यथाशीघ्र पूर्ण विकास किया जाए। औद्योगिक विकास के लिए जिले में लैंड बैंक बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करें।

बैठक में प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने बैठक में उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों से स्थानीय मुद्दों के संबंध विस्तार से चर्चा की। उन्होंने शेष थानों के परिसीमन का पुनः निर्धारण के संबंध में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और पुलिस विभाग के साथ बैठक करने के निर्देश दिए। बैठक में शांतिधाम के लिए सभी एसडीएम को उचित स्थान शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रभारी श्री पटेल ने सर्पदंश के लिए उपलब्ध एंटीवेनम की उपलब्धत सीएचसी की विस्तृत जानकारी के साथ प्रत्येक ग्राम पंचायत में बोर्ड लगाएं। एनिटिवेनम के संबंध में आशा कार्यकर्ताओं को आवश्यक प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराएं।

सांस्कृतिक पहचान और गौरव की प्रतीक है हिंदी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विश्व हिंदी दिवस, सांस्कृतिक पहचान और गौरव की प्रतीक हिंदी भाषा के वैश्विक जय घोष के विचारों को आत्मसात करने का दिन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व हिंदी दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने हिंदी भाषा के रूप में मिली विरासत को और अधिक समृद्ध करने के लिए संकल्पित होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का प्रदेशवासियों से आव्हान किया है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को जारी संदेश में कहा कि हिन्दी दिवस अपने आप में विशेष है। अब हिन्दी, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। संपूर्ण विश्व में हिन्दी का महत्व तथा लोगों की हिन्दी के प्रति रूचि बढ़ी है। यूरोप हो या चीन सभी देश नई तकनीकी माध्यमों का उपयोग करते हुए अनुवाद के माध्यम से हिन्दी तक अपनी पहुंच बना रहे हैं, यह हम सब के लिए गर्व और सौभाग्य का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में उपयोग में आने वाली हिन्दी, सर्वाधिक शुद्ध बोली जाने वाली हिन्दी है। बोलने, समझने और लेखन की दृष्टि से मध्यप्रदेश की हिन्दी का विशेष महत्व है। इसी का परिणाम है कि हिन्दी के संदर्भ में मध्यप्रदेश की देश में अपनी अलग पहचान है।

सैलरी नहीं मिलने से नाराज युवक टावर पर चढ़ा

भोपाल निगम और पुलिस की टीम ने रेस्क्यू किया; लोगों की लगी भीड़

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पॉलिटेक्निक चौराहा पर स्थित टावर पर एक युवक चढ़ गया। करीब 80 फीट की ऊंचाई पर युवक को चढ़ा देख आनन-फानन में लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने नगर निगम की टीम को मौके पर बुलाया। थाना प्रभारी घूमेंद्र सिंह ने माइक के माध्यम से उससे बात की।तब उसने मालिक की प्रताड़ना से तंग आकर खुदकुशी के इरादे से टावर पर चढ़ने की बात स्वीकार की। समझाइश देने के बाद करीब 15 मिनट में युवक उतरने के लिए राजी हो गया। तब नगर निगम की लिफ्ट में बैठाकर उसे उतारा गया।एसीपी अनीता प्रभा शर्मा ने बताया कि विनोद कुमार तेजी पिता नर्मदा प्रसाद तेजी निवासी भदभदा घाट बस्ती प्राइवेट गार्ड की नौकरी करता था। मालिक ने बीते दो महीने की सैलरी 16 हजार रुपए नहीं दी है। इसके चलते वह आर्थिक तंगी से जूझ रहा था।पुलिस ने उसे आश्वासन दिलाया है कि मालिक से बात करने के बाद यदि सैलरी रोकने की बात सही पाई जाती है तो उसे दिलाया जाएगा। तब युवक टावर से उतरने के लिए तैयार हो गया।

छात्र घट रहे, शिक्षक बढ़ रहे : ठाकुर

भोपाल। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष रघु ठाकुर ने कहा है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय वर्ष 2023- 24 की यू डी आई एस आई रिपोर्ट के अनुसार देश के अधिकांश राज्यों में ऐसे स्कूलों की संख्या बढ़ रही है जहां कोई पढ़ने नहीं जाता। फिर भी उनमें शिक्षकों की संख्या बढ़ रही है। 2023 में बिना छात्र वाले स्कूलों की संख्या 12,954 हो गई है। इन स्कूलों में नियुक्त शिक्षकों की संख्या 26,776 से बढ़कर 31,981 हो गई है, हमारे देश की शिक्षा पद्धति की यह हालत है कि बगैर छात्रों वाले स्कूलों की संख्या बढ़ रही है।उनमें नियुक्त बगैर पढ़ाई के तनख्वाह लेने वाले शिक्षकों की संख्या भी बढ़ रही है। लगभग 2 हजार करोड़ रु प्रति वर्ष उनके वेतन पर खर्च हो रहा है। दूसरी तरफ स्थिति यह है कि समूचे देश में 2023- 24 में ऐसे स्कूल जिनमे पढाने के लिए केवल एक शिक्षक है उनकी संख्या 1 लाख 10 हजार 971 है। अकेले मध्य प्रदेश में 13,198 स्कूल ऐसे हैं जहां केवल एक शिक्षक है। रघु ठाकुर ने प्रधानमंत्री से मांग की है की वे शिक्षा को ऐसा बनाएं ताकि स्कूल न शिक्षक के और न विद्यार्थियों के रहे। और ना बगैर छात्रों के शिक्षक।

एम्स भोपाल में संतुलित पोषण पर केंद्रित डायटेटिक्स डे 2025 मनाया गया

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, डायटेटिक्स विभाग ने 10 जनवरी 2025 को डायटेटिक्स डे का आयोजन किया, जो भारतीय डायटेटिक्स एसोसिएशन द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। इस वर्ष का विषय स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और संतुलित पोषण की ओर मार्गदर्शन करना था, जिसमें संतुलित आहार, पोषण जागरूकता और जीवनशैली संबंधित बीमारियों की रोकथाम पर जोर दिया गया। डायटेटिक्स डे के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों के लिए नो-फ्लेम कुकिंग प्रतियोगिता और प्री-टीन के लिए पोषण स्वास्थ्य जांच बूथ शामिल थे। इसके अतिरिक्त, स्वस्थ आदतों का पोषण-बच्चे के विकास में सचेत भोजन की महत्ता पर एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई। विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले और विजेता बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

लालघाटी से नेवरी मंदिर तक बनने वाली सड़क समय सीमा में पूरी हो : आलोक शर्मा

भोपाल। सांसद आलोक शर्मा ने शुक्रवार को लालघाटी से नेवरी मंदिर की 24 मीटर सड़क को लेकर कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह से कलेक्ट्रेट में मुलाकात की। उन्होंने कहा कि उपरोक्त सड़क का निर्माण समय सीमा में पूरा होना चाहिए। साथ ही अधिकारियों को विकास के कामों में भविष्य की प्लानिंग को ध्यान में रखना होगा। इस दौरान उनके साथ महापौर मालती राय, प्रियंका मिश्रा, मनोज राठौर सहित पुलिस और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी उपस्थित थे। इन लोगों द्वारा सांसद आलोक शर्मा को बताया गया कि यह रोड 24 मीटर की बनना प्रस्तावित है। जबकि पीडब्ल्यूडी के अधिकारी इसे 17 मीटर की बनाने जा रहे हैं। इस बात को लेकर सांसद आलोक शर्मा से इन्फेंट्री के ब्रिगेडियर ने भी चर्चा की थी। उनका कहना था कि इस रोड पर इस रोड पर से सेना के बड़े-बड़े ट्रक, स्कूल की गाड़ियां और सेना के मैनपॉवर का मूवमेंट होता है। कई बार इस रोड पर जाम लगने की स्थिति बन जाती है। सुरक्षा की दृष्टि से भी इस रोड को चौड़ा होना चाहिए। जिससे आवागमन की सुविधा सुलभ हो सके। बैठक में प्रस्तावित रोड के आसपास की कालोनियों और गुफा मंदिर से जुड़े लोग भी पहुंचे थे। इन सबका भी यहीं कहना था कि रोड की चौड़ाई कम नहीं की जाना चाहिए।

अधिकारी वही, जो जनहित के करें कार्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- * विकास की नई संभावनाओं के लिए प्रतिबद्धता के साथ अधिकारी, शासकीय सेवा में करें प्रवेश
- * सभी जिलों में सायबर तहसील को लागू करने वाला देश का पहला राज्य है मध्यप्रदेश
- * मुख्यमंत्री ने 3 विभागों के 362 अधिकारियों-कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र किए प्रदान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अधिकारी वह है, जो जनहित में कार्य करें। इस उद्देश्य से शासकीय सेवा में प्रवेश करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, स्वयं को प्रधान सेवक मानते हैं। मध्यप्रदेश का मंत्रि-मंडल भी परस्पर सहयोग से जनता के सेवक के रूप में कार्य कर रहा है। पद पर आने के बाद हमारे मन में अहंकार नहीं होगा, इस संकल्प के साथ, समाज हित और प्रदेश के विकास के लिए समर्पित होकर अपने दायित्व निर्वहन में आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रवीन्द्र भवन में कृषि, पशुपालन और राजस्व विभागों के लिए चयनित 362 शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को नियुक्ति-पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा अधिकारियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान कीं। उन्होंने कहा कि माता-पिता सहित परिवार के सदस्यों की आशा, अपेक्षा और उनके सहयोग के परिणामस्वरूप ही यह उपलब्धि प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नव चयनित अधिकारियों सहित उनके परिजन को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के बाद प्रगति पथ पर निरंतर अग्रसर होने का प्रयास जारी रखें। अधिकारी अपनी क्षमता, योग्यता को पहचानते हुए अपने उत्तरदायित्व का श्रेष्ठतम तरीके से निर्वहन कर स्वयं भी गौरवान्वित हो और शासन को भी गौरवान्वित करें।

256 कृषि विस्तार अधिकारी, 70 सहायक पशु चिकित्सकों और 36 नायब तहसीलदारों को प्रदान किए नियुक्ति पत्र-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री लखन पटेल उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि विभाग के 256 कृषि विस्तार अधिकारी, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के 70 सहायक पशु चिकित्सकों और राजस्व विभाग के 36 नव चयनित नायब तहसीलदारों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने प्रदेश के सभी जिलों में सायबर तहसील स्थापना की पहल की। यह तकनीक के उपयोग से नागरिक सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। देश में दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश तीसरे स्थान पर है। हमारा लक्ष्य दुग्ध उत्पादन की क्षमता को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक पहुंचाना है। इससे देश के किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। प्रदेश में गौ-माता की बेहतर देखभाल के लिए गौ-शालाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में भोपाल सहित सभी बड़े शहरों में 10-10 हजार क्षमता की गौ-शालाएं संचालित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों की आय बढ़ाने में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका दुग्ध उत्पादन की है। किसानों की आय बढ़ाने के प्रयासों में दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इससे किसानों को सीधे तत्काल लाभ प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि दस गाय से अधिक गौ-पालन करने वालों को अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। गाँवों में सड़क, घर-घर नल से जल जैसी सुविधाएं मिलने से गौपालन भी सुविधाजनक हुआ है।

कृषि और पशु चिकित्सा की शिक्षा सुविधा का विस्तार किया जाएगा-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नव चयनित अधिकारी से यही अपेक्षा है कि वे अपनी प्रतिभा और क्षमता को निरंतर बेहतर करें। विकास की नई संभावनाओं के लिए प्रतिबद्धता के साथ अधिकारी सेवा में प्रवेश करें। प्रदेश में कृषि के रकबे को अगले 5 साल में 48 लाख हैक्टेयर से एक करोड़ हैक्टेयर तक ले जाने का संकल्प है। इस उद्देश्य से हमें सभी प्रबंध बेहतर करने होंगे। राजस्व अधिकारियों की नियुक्तियां, कृषि और पशुपालन विभाग के अमले में विस्तार इसमें सहायक होगा। राज्य सरकार द्वारा कृषि और पशु चिकित्सा की शिक्षा सुविधा का भी विस्तार किया जाएगा, इसमें नई शिक्षा नीति भी सहायक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वितरित किए नियुक्ति पत्र-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि विस्तार अधिकारी श्री प्रियंवदा द्विवेदी, श्री कमलेश वाटी, श्री राजेश मीणा, सुश्री बबली बागरी, सुश्री अर्चना गौर, सहायक पशु चिकित्सक डॉ. पूजा सोलंकी, डॉ. नीतेश सूर्यवंशी, डॉ. राहुल यादव और नायब तहसीलदार सुश्री भारती सोलंकी, श्री रवि पटेल, श्री कपिल गुर्जर आदि को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री वर्मा, किसान एवं कृषि विकास मंत्री श्री कंषाना, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री लखन पटेल ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी।

कृषि मंत्री ने की बड़ी घोषणाएं-किसान कल्याण और कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंसाना ने घोषणा की कि अब ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी को कृषि विस्तार अधिकारी के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने सीएम की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हमेशा किसानों और युवाओं की खुशहाली के लिए काम करते हैं।

आपकी सेवा और कार्यशैली से लोग आपको याद रखें : मंत्री लखन पटेल

मंत्री लखन पटेल ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने पद की गरिमा बनाए रखें। आप जिस पद पर जा रहे हैं, वहां लोगों की सेवा करना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आपकी सेवा और कार्यशैली से लोग आपको याद रखें, यही असली सफलता है।

केंद्रीय संचार ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा

13 ट्रेनों के प्रायोगिक ठहराव और बीना-गुना मेमू गाड़ी के विस्तार का शुभारंभ किया

भोपाल। भोपाल मंडल के अशोकनगर रेलवे स्टेशन पर 10 जनवरी 2025 को माननीय केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री,भारत सरकार श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने 13 ट्रेनों के प्रायोगिक ठहराव और बीना-गुना मेमू स्पेशल ट्रेन का रुठियाई स्टेशन तक विस्तारित सेवा का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने अशोकनगर स्टेशन पर आयोजित गरिमामयी कार्यक्रम में हरी लझंडी दिखाकर ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया। माननीय मंत्री जी ने गुना संसदीय क्षेत्र में रेलवे द्वारा किये गए विकास कार्यो के संबंध में अशोक नगर के गणमान्य नागरिकों को संबोधित किया।

इस अवसर पर श्री ब्रजेन्द्र यादव माननीय विधायक मुंगावली, श्री जजपाल सिंह पूर्व माननीय विधायक अशोकनगर, श्री अजय यादव माननीय अध्यक्ष जिला पंचायत अशोकनगर, श्री नीरज मनोरिया माननीय अध्यक्ष नगर पालिका अशोकनगर एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति, मीडिया प्रतिनिधि तथा रेल प्रशासन की ओर से मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती रश्मि दिवाकर , वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया, तथा अन्य रेलवे अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि इन ठहराव और गाड़ी विस्तार से स्थानीय यात्रियों को न केवल सुविधा होगी, बल्कि क्षेत्रीय संपर्क भी सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि रेलवे लगातार यात्रियों के लिए सेवाओं में सुधार और विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रहा है। भोपाल रेल मंडल द्वारा की गई इस पहल से न केवल यात्रियों को बेहतर सेवाएं प्राप्त होंगी, बल्कि क्षेत्रीय विकास को भी बल मिलेगा।

'अनुगूंज' हमारी सांस्कृतिक विरासत के विस्तार और युवा प्रतिभाओं के लिए सुनहरा मंच : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सभी प्रतिभागी 16 टीमों को मिलेंगे एक-एक लाख रूपए

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'अनुगूंज' जैसे आयोजन न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाते हैं, बल्कि युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सुनहरा मौका भी देते हैं। कला हमारी अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। कला से कलह का शमन होता है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आहवान किया कि वे अपने भीतर छिपी संभावनाओं को पहचाने और अपने सपनों को साकार करने के लिए दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है कि युवाओं को शिक्षा, कला, साहित्य और खेलों में समुचित प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि शासकीय स्कूल और यहां पढ़ने वाले बच्चे हमेशा से ही प्रतिभाशाली रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार शाम को शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उमावि में राज्य स्तरीय 'अनुगूंज' कार्यक्रम 2024 में शिरकत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों की मुक्त कंठ से सराहना की।

विंध्य को आगे बढ़ाने में युवा करें अपनी भूमिका का निर्वहन : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

बघेली कलाकार प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने टीआरएस कालेज रीवा में आयोजित बघेली कलाकार प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि कला व खेल के माध्यम से विंध्य की और रीवा की समृद्धि का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि बघेली भाषा को कला के माध्यम से यहां के युवा प्रचारित कर रहे हैं, अब बघेली कलाकार खेल

के माध्यम से भी अपनी बोली को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा नशे से दूर रहने का संकल्प लें तथा जिले, प्रदेश व देश को समृद्धि की राह में आगे बढ़ाने में अपनी सहभागिता निभाएं। नशे से दूर रहने के लिए जागरूकता अभियान चलाएं। उन्होंने आयोजकों को रचनात्मक कार्यों के साथ खेल की विधा के आयोजन की प्रशंसा की।

इग्नू के अध्ययन केंद्र का बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में किया गया लोकार्पण

भोपाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय,क्षेत्रीय केंद्र भोपाल द्वारा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में अध्ययन केंद्र स्थापित किया गया जिसका लोकार्पण प्रो सुरेश कुमार जैन माननीय कुलगुरु, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कर कमलो द्वारा किया गया तथा इस अवसर पर प्रो भारत सरन सिंह, अध्यक्ष, म.प्र.निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग ,भोपाल, स्वामी नित्यज्ञानंदा ,सचिव रामकृष्ण मिशन आश्रम भोपाल एवं डॉ बिनी टॉम्स, वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक इग्नू की गरिमामय उपस्थिति में अध्ययन केंद्र कार्यालय का भी सतत शिक्षा विभाग, में उद्घाटन किया गया। प्रारंभिक रूप से इग्नू के 18 पाठ्यक्रम इस केंद्र से संचालित किये जायेंगे जिनमे आवश्यकता अनुसार बढ़ोतरी भी की जाएँगी।

इस अवसर पर प्रो हेमंत खांडाई, समन्वयक इग्नू अध्ययन केंद्र ने सभी का स्वागत करते हुए इग्नू अध्ययन केंद्र की स्थापना पर हर्ष जताया एवं छात्रों के ज्ञान तथा कौशल में बढ़ोतरी हेतु इग्नू द्वारा पाठ्यक्रमों की उपयोगिता बताई। डॉ बिनी टॉम्स क्षेत्रीय निदेशक भोपाल ने शैक्षिक प्रणाली में भारतीय ज्ञान परम्परा को समायोजित करने के विषय पर विस्तार से चर्चा की एवं इस सम्बन्ध में राष्ट्रीय शिक्षा निति में दिए गए प्रभाधनो पर भी प्रकाश डाला। डॉ टॉम्स ने इग्नू द्वारा संचालित भारतीय ज्ञान परंपरा के पाठ्यक्रमो क्रमशः ज्योतिष ,वास्तु , भगवद गीता अध्ययन,वैदिक अध्ययन हिन्दू स्टडी, वैदिक गणित ,काल गणना,संस्कृत सम्बोधन जैसे पाठ्यक्रमों की चर्चा करते हुए माननीय कुलगुरु प्रो सुरेश कुमार जैन से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के नामांकित छात्रों को भारतीय ज्ञान परंपरा के पाठ्यक्रमों के अध्ययन हेतु प्रेरित किया जाने हेतु आग्रह किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विद्यार्थी 10 प्रतिशत तक के अपने अकादमिक क्रेडिट किसी अन्य विश्वविद्यालय से अर्जित कर अकादमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट के माध्यम से अपने मूल पाठ्यक्रम में जुड़वा सकते है। इस प्रावधान के अंतर्गत इग्नू के 1600 से भी अधिक विषयों में पाठ्यक्रम-वार पंजीकरण और प्रमाणन की योजना के तहत पंजीकृत हो सकते है और भारतीय ज्ञान परंपरा संबंधित कौशल अर्जित कर सकते है।

प्रो सुरेश कुमार जैन ने अपने वक्तव्य में भारतीय ज्ञान परंपरा को कई उद्धरणों से समझाया और इसे हर व्यक्ति को अपने जीवन शैली में समायोजित करने की सलाह दी। भारतीय ज्ञान तथा संस्कृति पर गौरवान्वित होकर छात्रों को इसे समझने जानने और निरंतर शोध करके वैश्विक पटल पर उजागर करने पर जोर दिया। इग्नू के अध्ययन केंद्र के लोकार्पण के अवसर पर कुलगुरु ने रुद्राक्ष वृक्ष का वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर इग्नू क्षेत्रीय केंद्र के डॉ. अंशुमान उपाध्याय, डॉ स्मृति गार्गव , उपनिदेशक, डॉ सुबास रंजन नायक सहायक क्षेत्रीय निदेशक श्री अशेष कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

युवा दिवस पर लाड़ली बहनों के खातों में होगी जनवरी माह की राशि अंतरित

पीएससी अंतर्गत तीन वर्ष के पद एक ही वर्ष में भरे जाएंगे, परीक्षाएं होंगी अलग-अलग

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 12 जनवरी स्वामी विवेकानंद की जयंती को युवा दिवस के रूप में मनाने की परंपरा आरंभ की गई है। युवा अपने सपनों को साकार करें, जीवन में आगे बढ़ें, प्रदेश और समाज को आगे बढ़ाएं, इस उद्देश्य से राज्य सरकार सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए तत्पर है।

युवाओं के जीवन में एक नया सूर्य ऊगे, वे अपने जीवन को आलौकिक करें, अपनी ऊर्जा का समाज हित में उपयोग करें, युवा दिवस के संदर्भ में युवाओं से यही अपील है। इसी क्रम में राज्य सरकार 12 जनवरी से प्रदेश में स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन का क्रियान्वयन भी आरंभ कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को जारी संदेश में यह कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा दिवस के अवसर पर प्रदेश की लाड़ली बहनों को जनवरी माह की अनुदान राशि का अंतरण कालापीपल जिला शाजापुर से किया जाएगा। युवाओं को उन्नति और प्रगति के सभी अवसर प्राप्त हों इस उद्देश्य से राज्य सरकार बहुआयामी गतिविधियां संचालित कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में बैकलॉग के पदों को भरने जा रही है। पीएससी के अंतर्गत गत तीन वर्ष के जो पद हैं, उनको ही एक ही वर्ष में तीन अलग-अलग परीक्षा कराकर भरने का निर्णय भी लिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का मुख्य आधार प्रदेश की युवा शक्ति है। युवाओं को प्रदेश में ही रोजगार के अवसर प्राप्त हों, इस उद्देश्य से कौशल उन्नयन और प्रशिक्षण की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रदेश में आरंभ हुए रीवा, उज्जैन सहित अन्य आई.टी. पार्कों के माध्यम से युवाओं को अपनी योग्यता और क्षमता के आधार पर प्रदेश में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के परिणामस्वरूप रोजगार की संभावनाओं में वृद्धि के साथ ही शासकीय विभागों में भर्ती की प्रक्रिया जारी है। प्रदेश में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में कई नवाचार किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 55 पीएम एक्सीलेंस कॉलेज आरंभ किए गए हैं। स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में आयुर्वेद, एलोपैथी, होम्योपैथी के कॉलेज आरंभ किए जा रहे हैं। पीपीपी मॉडल को सम्मिलित करते हुए 2 वर्ष में 25 मेडिकल कॉलेज आरंभ किए जाएंगे।

जाहिर सूचना
कृषि भूमि ग्राम बैरागढ़ कला, तहसील-हुजूर, जिला-भोपाल कुल रकबा 0.10 एकड़ (4500 वर्गफिट) के संबंध में
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा (1) श्री जितेंद्र उत्तवानी आत्मज श्री मूलचंद उत्तवानी, वयस्क निवासी बैरागढ़, भोपाल से उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की एक किता कृषि भूमि रकबा 0.013 हेक्टेयर (1500 वर्गफिट) जो कि भूमि खसरा नंबर 459/1/1/1/1(एम), 460/1/1, 461/1/1 का भाग है एवं (2) श्री हरीश मोटवानी आत्मज श्री रामचंद मोटवानी, श्री अमित मोटवानी आत्मज श्री हरीश मोटवानी एवं पायल मोटवानी पुत्री श्री हरीश मोटवानी, सभी वयस्क, सभी निवासी भोपाल से उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की एक किता कृषि भूमि रकबा 0.027 हेक्टेयर (3000 वर्गफिट) जो कि भूमि खसरा नंबर 459/1/1/1/1(एम), 460/1/1, 461/1/1 का भाग है, इस प्रकार कुल रकबा 0.041 हेक्टेयर अर्थात् 4500 वर्गफिट है। उक्त संपूर्ण भूमि ग्राम बैरागढ़ कला, पटवारी हल्का क्रमांक बैरागढ़ कला, तहसील-हुजूर, जिला - भोपाल में स्थित है, को क्रय करने का निश्चय करते हुए 75 प्रतिशत राशि का भुगतान कर दिया है तथा वे शीघ्र ही उक्त भूमि का पूर्ण मूल्य चुकाकर उसकी रजिस्ट्री अपने नाम कराने जा रहे हैं।
यदि उक्त क्रय-विक्रय में किसी बैंक, वित्तीय संस्थान, व्यक्ति, संस्था, शासकीय, अशासकीय विभाग, न्यायालय आदि का कोई लेना-देना हो या उक्त सम्पत्ति किसी के पक्ष में बंधक, दान, गिरवी, अनुबंधित हो या किसी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना प्रकाशन से 14 दिन के अंदर अपनी लिखित आपत्ति मय दस्तावेज मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। उपरवर्णित समयावधि में कोई आपत्ति न आने पर मेरे पक्षकार यह मानते हुए कि किसी को कोई भी आपत्ति नहीं है, उक्त भूमि की रजिस्ट्री अपने नाम करा लेंगे तथा भविष्य में उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
राजीव चिमोटे अधिवक्ता
फ्लैट नंबर टी-7, प्लाट नंबर 29-ए, तृतीय-तल, राजा परिसर, जोन-2, एम.पी. नगर, भोपाल, मो.-9827232096

॥ मंदिरम् ॥ 09

नरसिंह मंदिर, उत्तराखंड

नरसिंह मंदिर जोशीमठ उत्तराखंड के चमोली जिले के जोशीमठ की पहाड़ियों पर भगवान विष्णु को समर्पित एक प्राचीन हिंदू मंदिर है। यह मंदिर क्षेत्र के सबसे प्रमुख मंदिरों में से एक है, और यह भगवान विष्णु के एक अवतार भगवान नरसिंह को समर्पित है। मंदिर को राज्य के सबसे महत्वपूर्ण मंदिरों में से एक माना जाता है, जो हर साल देश भर से हजारों भक्तों को आकर्षित करता है। मंदिर के देवता भगवान विष्णु के चौथे अवतार (नरसिंह अवतार) हैं, जो आधे शेर, आधे मनुष्य के रूप में दिखाई देते हैं। नरसिंह मंदिर जोशीमठ के निचले बाजार में स्थित है। यह मंदिर समुद्र तल से 1,830 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है और माना जाता है कि इसका निर्माण 8वीं शताब्दी के प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक और धर्मशास्त्री आदि शंकराचार्य ने करवाया था। किंवदंती के अनुसार, आदिशंकराचार्य ने इस क्षेत्र में अपनी यात्रा के दौरान भगवान नरसिंह की एक मूर्ति की खोज की और उसे रखने के लिए मंदिर की स्थापना की। सर्दियों के दौरान, बद्रीविशाल नरसिंह मंदिर में विश्राम करते हैं। सर्दियों के दौरान, बद्रीनाथ के पुजारी मूर्ति को नरसिंह मंदिर में ले जाते हैं।

सरकारी जमीन पर काट रहे थे कॉलोनी, जेसीबी चली

मंत्री ने सामने खड़े होकर करवाई कार्रवाई; बोले-ये बर्दाश्त नहीं करेंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल में सरकारी जमीन पर कॉलोनी काटने पर शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की गई। खेल मंत्री विश्वास सारंग ने खुद सामने खड़े होकर कार्रवाई करवाई। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन पर कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मंत्री सारंग के निर्देश पर एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव ने करोंद इलाके में कार्रवाई की। यहां पर सरकारी जमीन पर प्लाटिंग की जा रही थी। यह देख मंत्री सारंग नाराज हो गए और उन्होंने तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मंत्री के निर्देश मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और निगम अमला हरकत में आ गया। कुछ ही देर में जेसीबी की मदद से अवैध निर्माण भी हटा दिया गया।

भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई- मंत्री सारंग खुद नगर निगम अमले के साथ मौके पर पहुंचे और अवैध निर्माण को तत्काल तोड़ने के निर्देश दिए। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी। ताकि, हंगामा होने पर सख्ती से निपटा जा सके।

अवैध निर्माण पर सख्त रुख- निरीक्षण के दौरान यह पाया कि सरकारी भूमि पर बिना अनुमति के निर्माण कार्य किया जा रहा था। मंत्री सारंग ने इसे गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिए कि शासकीय भूमि पर हो रहे सभी अवैध निर्माण तुरंत प्रभाव से हटाए जाएं और भविष्य में इस तरह के मामलों को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

शासकीय भूमि पर की जाए फेंसिंग- मंत्री सारंग ने शासकीय भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फेंसिंग लगाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि भू-माफिया शासकीय जमीनों पर कब्जा कर गरीब जनता को गुमराह कर भूमि का विक्रय करते हैं। जिससे जनता और शासन दोनों का नुकसान होता है। शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अवैध कब्जों के खिलाफ मुहिम जारी रहेगी- मंत्री सारंग ने बताया, इस अभियान को और अधिक सख्ती से चलाया जाएगा। उन्होंने नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में सर्वे के जरिए अवैध कब्जों की पहचान कर समय रहते उचित कार्रवाई करें।

एक दिन पहले भी इलाके में पहुंचे थे मंत्री- भोपाल के करोंद इलाके में सरकारी जमीन पर अवैध प्लाटिंग की शिकायत पर गुरुवार को भी मंत्री विश्वास सारंग औचक निरीक्षण करने निकले थे। जैसे ही मंत्री एक जगह पर पहुंचे, उन्हें देख अवैध प्लाटिंग कर रहे लोग गाड़ी छोड़कर भाग निकले थे। इस गाड़ी को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया था। मंत्री ने करोंद, पलासी, बड़वाई और रसुल्ली क्षेत्र का निरीक्षण किया था।

कोई संगठन बिना अनुशासन के तरक्की नहीं कर सकताः पटवारी

बीजेपी के प्लेटफार्म पर खेलती है कांग्रेस

भोपाल (नप्र)। 26 जनवरी को महू में कांग्रेस 'जय भीम, जय बापू, जय संविधान' रैली करने जा रही है। इस रैली की तैयारियों को लेकर आज भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बैठक हुई।

बैठक की शुरुआत में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि कोई संगठन बिना अनुशासन के तरक्की नहीं कर सकता। इस भावना से बाहर निकलना पड़ेगा कि मुझे टिकट नहीं मिलेगा तो मैं निर्दलीय लड़ जाऊंगा। बीजेपी में कितनी सिर फुटव्वल चल रही है।

जिले में प्रभारी के ऊपर प्रभारी आ रहे हैं: इधर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने कहा कि जिले में प्रभारी के ऊपर प्रभारी आ रहे हैं। इस पर पटवारी ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, इसके लिए तो आपको संविधान में बदलाव करना पड़ेगा। इसके जवाब में अजय सिंह बोले संविधान में बदलाव हो या न हो। लेकिन जिले में एक प्रभारी हो। ये न हो कि एक आया और फिर दूसरा प्रभारी आ गया।

वहीं विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि जब बीजेपी के लोग मुसलमानों को टारगेट करते हैं तो हमारे लोग चुप हो जाते हैं। देश का माहौल जिस तरफ ले जाया जा रहा है, उसमें हमें कड़े फैसले करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, सबसे ज्यादा दिक्कत हमारे कांग्रेस के हिंदू लीडर्स को होती है। आपसे कहना चाहता हूं कि जब हमारे नेता अंग्रेजों से लड़े थे, आजादी की लड़ाई मदरसों से शुरू हुई थी। आपको ऐसी बातें ध्यान में रखनी चाहिए। जब भाजपा हिंदुत्व की बात करती है

और हम बीजेपी के प्लेटफार्म पर खेलने लगते हैं, तो आप खेलिए, लेकिन आप हमेशा हारेंगे।

पूर्व सीएम समेत दिग्गज नेता बैठक में मौजूद- प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश कांग्रेस प्रबंध समिति की बैठक चल रही है। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रभारी मध्यप्रदेश जितेंद्र सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी, मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, सीडब्ल्यूसी मेंबर कमलेश्वर पटेल, कांतिलाल भूरिया, अजय सिंह राहुल भैया, सज्जन सिंह वर्मा, बाला बच्चन, कुणाल चौधरी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सह प्रभारी संजय दत्त, आनंद चौधरी, रणविजय सिंह, चंदन यादव, प्रदेश कांग्रेस मोर्चा संगठनों के अध्यक्ष सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद हैं।

जिलों में प्रभारियों को लेकर खींचतान- बैठक में अजय सिंह ने कहा जिले में प्रभारी के ऊपर प्रभारी आ रहे हैं। एक की नियुक्ति के बाद दूसरे प्रभारी आ गए। अजय सिंह ने एक जिलाध्यक्ष को खड़ा करके पूछा कि बताओ भैया अध्यक्ष जी प्रभारी पर प्रभारी आ रहे या नहीं? अजय सिंह की बात पर जीतू पटवारी ने कहा जिले का प्रभारी तो एक ही रहेगा। आपको सिस्टम को ब्रेक करना है तो संविधान में बदलाव करना पड़ेगा। अजय सिंह जवाब देते हुए कहा संविधान में बदलाव हो या न हो। लेकिन जिले में एक प्रभारी हो। ये न हो कि एक आया और फिर दूसरा प्रभारी आ गया। और कहा गया कि वो काम नहीं कर पा रहा था।

पटवारी बोले- बाबा साहेब का अपमान बीजेपी की साजिश

बैठक से पहले पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि 2025 का साल कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने का साल है। किसान, गरीब, दलित और गांव-गांव में कांग्रेस की पैठ जमाना हमारा लक्ष्य रहेगा। यह तभी संभव होगा जब संगठन मजबूत होगा। 26 जनवरी को संविधान बचाने के लिए आयोजित इस महत्वपूर्ण यात्रा को लेकर यह बैठक है।

बैठक में इन नेताओं ने यह कहा...

बैठक में कांग्रेस नेत्री हिना कावरे ने कहा हम कांग्रेस का संगठन मजबूत करेंगे लेकिन उन सबका महत्व तभी समझ आएगा जब 28 में कांग्रेस का परचम विधानसभा में लहराएगा। एमपी में जब कांग्रेस की सरकार बनेगी तो ये माना जाएगा कि आज भी हमारा संगठन मजबूत है। विधायक फूल सिंह ने कहा वाल्मीक का बेटा आज राष्ट्रपति की कुर्सी पर बैठ सकता है लेकिन गांव में किसी दबंग की टूटी चारपाई पर नहीं बैठ सकता। अभी सामाजिक बराबरी नहीं आ पाई है। राजनीतिक बराबरी के साथ साथ हम आर्थिक और सामाजिक बराबरी देंगे ये काम कांग्रेस ही कर पाएगी।बैठक में 2 घंटे लेट पहुंचे प्रदेश प्रभारी, कमलनाथ नहीं आए।

सर्दी पर 2 दिन ब्रेक 13 से फिर कड़ाके की ठंड

- **ग्वालियर-चंबल समेत 5 संभागों में बूंदाबांदी के आसार**

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में कड़ाके की सर्दी पर 2-3 दिन के लिए ब्रेक लगेगा। आज ग्वालियर, चंबल, रीवा, सागर और जबलपुर संभाग के जिलों में बूंदाबांदी होने के आसार है। वहीं, कोहरा भी रहेगा। 13 जनवरी से कड़ाके की ठंड का दौर फिर शुरू होगा। मौसम विभाग ने 12 जनवरी को दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी होने का अनुमान जताया है। इसके बाद तापमान में फिर गिरावट होगी। वहीं, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की एक्टिविटी से बूंदाबांदी और बादल वाला मौसम रहेगा। बैतूल, मंदसौर व छतरपुर में दिन के न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई है। बैतूल में तापमान 2 डिग्री बढ़कर 9.2 तक पहुंच गया। मंदसौर में तापमान बढ़ा है लेकिन सर्द हवा चल रही हैं। हालांकि कोहरे से राहत है। जिले में न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री व अधिकतम 25.5 डिग्री के आसपास है।

बर्फीली हवाओं से ठिठुर गया पूरा एमपी

बर्फीली हवा चलने से प्रदेश के शहरों में दिन-रात कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पिछली 3 रात से पारा काफी नीचे लुढ़का है। यह दौर तीन दिन के लिए थम जाएगा। मौसम विभाग के अनुसार, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, लद्दाख में बर्फ पिघल रही है, जिससे हवा की रफ्तार भी तेज हो गई है। गुरुवार को जेट स्ट्रीम हवाओं की रफ्तार 250 किमी प्रतिघंटा रही।

3 दिन ऐसा रहेगा मौसम

11 जनवरी- विदिशा, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुर, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी में बादल और बूंदाबांदी हो सकती है। इन जगहों पर सुबह कोहरा भी रहेगा। 13 जनवरी- विदिशा, बैतूल, ग्वालियर, दतिया, भिंड, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, कटनी, नरसिंहपुर, पन्ना, दमोह, सागर में बूंदाबांदी हो सकती है।

हाउसिंग बोर्ड के सब इंजीनियर पर एफआईआर

पत्नी ने दहेज में कार और 50 लाख रुपए की मांग के आरोप लगाए

भोपाल (नप्र)। भोपाल में हाउसिंग बोर्ड के सब इंजीनियर के खिलाफ मिसरोद पुलिस ने पत्नी को प्रताड़ित करने, मारपीट करने और दहेज की मांग को लेकर घर से निकालने की एफआईआर दर्ज की है। उनकी पत्नी ने पुलिस को बताया कि दहेज में 50 लाख रुपये कैश और कार की मांग को लेकर उनके पति ने उन्हें घर से निकाल दिया।

काफी मनाने के बाद भी पति, बिना दहेज लिए पत्नी को रखने के लिए तैयार नहीं हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी इंजीनियर सहित उनकी मां और पिता को गिरफ्तारी के नोटिस जारी किए जाएंगे।

एसआई अमोल शर्मा ने बताया कि 32 वर्षीय आयुषी चौधरी, पति रूपक जैन का मायका मिसरोद की श्रीराम कॉलोनी में है। उनके पति बाग मुगालिया में सास ममता जैन और ससुर विजय जैन के साथ रहते हैं। 2021 में दोनों की शादी परिजनों की मर्जी से हुई थी। मायके वालों ने शादी में सभी जरूरी दहेज दिया था। चूंकि पति हाउसिंग बोर्ड में सब इंजीनियर हैं और स्वयं को हाई-प्रोफाइल बताते हैं, उन्होंने शादी के बाद से ही दहेज में मनपसंद कार और पचास लाख रुपये देने का दबाव बनाना शुरू कर दिया।

6 महीने के बच्चे के साथ घर से निकाला

मायके पक्ष ने यह डिमांड पूरी नहीं की, तो आरोपी ने तानाकशी और मारपीट शुरू कर दी। जब यह बात बहू ने सास और ससुर को बताई, तो उन्होंने भी बहू को ही बुरा-भला कहना शुरू कर दिया। डेढ़ साल पहले आरोपी पक्ष ने महिला को 6 महीने के मासूम बच्चे के साथ घर से निकाल दिया। पीड़िता ने गृहस्थी बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया। जब आरोपी ने दोबारा साथ रखने से साफ इनकार कर दिया, तो महिला ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने जांच के बाद एफआईआर दर्ज कर ली है।

एमपी कांग्रेस में बड़ा बदलाव

जयवर्धन यूथ कांग्रेस के इंचार्ज, पहली बार संगठन में दो प्रभारी, नेताओं को सौंपी अलग-अलग जिम्मेदारियां

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने अपने नेताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें अलग-अलग कामों का इंचार्ज बनाया गया है। संगठन प्रभारी से इस्तीफे की पेशकश करने वाले राजीव सिंह को जीतू पटवारी ने अपने पॉलिटिकल एडवाइजर की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं संजय कामले संगठन प्रभारी बनाए गए हैं।

प्रदेश कांग्रेस ने इलेक्शन मैनेजमेंट से लेकर पॉलिटिकल एडवाइजर, ट्रेनिंग डिपार्टमेंट, यूथ कांग्रेस, माइनॉरिटी डिपार्टमेंट, महिला कांग्रेस और एनएसयूआई तक कुल 35 कार्यों के इंचार्ज नियुक्त किए गए हैं।

राघौगढ़ से विधायक जयवर्धन सिंह को यूथ कांग्रेस का इंचार्ज बनाया गया है। वहीं हिना कांवरे को महिला कांग्रेस का इंचार्ज बनाया गया है। प्रियव्रत सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष के साथ ही इलेक्शन मैनेजमेंट का इंचार्ज बनाया गया है। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा सरकारी कर्मचारी संगठनों से कॉर्डिनेशन की जिम्मेदारी निभाएंगे।

केके मिश्रा को पीसीसी चीफ का मीडिया एडवाइजर बनाया गया है। जेपी धनोपिया इलेक्शन कमीशन और लीगल वर्क, आनंद राय सिविल सोसायटी आउटरीच देखेंगे।

पीसीसी में पहली बार संगठन में दो प्रभारी बनाए

इससे पहले गुरुवार को ही प्रदेश कांग्रेस के संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने पीसीसी चीफ जीतू पटवारी को पत्र लिखकर पद छोड़ने की पेशकश की। राजीव सिंह का इस्तीफा सामने आने के घंटे भर बाद ही पीसीसी में कार्य विभाजन हो गया। इस कार्य विभाजन में पटवारी ने पूर्व विधायक प्रियव्रत सिंह को उपाध्यक्ष संगठन और पीसीसी के प्रशासन प्रभारी संजय कामले को संगठन का प्रभारी नियुक्त कर दिया। कांग्रेस के प्रशासन की जिम्मेदारी कामले की जगह गौरव रघुवंशी को दी है। पीसीसी में पहली बार ऐसा हुआ है कि संगठन में दो प्रभारी बनाए गए हैं।

चंदेरी में खुला राजमाता सिंधिया वाचनालय

- **केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने किया 6 लाइब्रेरी का शुभारंभ, सिंधिया बोले- युवाओं को मिलेगा ज्ञान का खजाना**

अशोकनगर (नप्र)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को चंदेरी में राजमाता विजयाराजे सिंधिया वाचनालय का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिले के पांच अन्य पुस्तकालयों का भी उद्घाटन किया गया। दो दिवसीय अशोकनगर जिले के दौरे पर आए सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि यह वाचनालय चंदेरी क्षेत्र में अपनी तरह का पहला पुस्तकालय है। उन्होंने इसे ज्ञान और शिक्षा का मंदिर बताते हुए कहा कि यह स्थानीय नागरिकों, विशेषकर छात्रों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए ज्ञान का अनमोल खजाना साबित होगा।

नालंदा पुस्तकालय का भी किया जिक्र

उन्होंने बताया कि हमारे देश में हजारों साल पहले विश्व की सबसे प्रसिद्ध लाइब्रेरी नालंदा वाचनालय थी। पूरे विश्व के सबसे बुद्धिमान लोग नालंदा के वाचनालय में आते थे। विदेशी आक्रमणकारी बख्तियार खिलजी ने विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को नष्ट कर दिया, जिसमें 90 लाख पांडुलिपियों थीं। कहा जाता है कि वो पांडुलिपियां डेढ़ साल तक जलीं। लेकिन, जिन आक्रांताओं ने भारत पर वार किया, वो भूल गए कि ये भारत माता कि धरती है। हमें दबाने की कोशिश कर सकते हो, लेकिन सिर उठाकर हम दुबारा पूरे विश्व में अपनी सोच विचार धारा कायम करेंगे।

पीएम मोदी ने दिलाई नालंदा विश्वविद्यालय नई पहचान

मंत्री सिंधिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे विकास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नालंदा विश्वविद्यालय के विकास को ने नई प्राथमिकता दी है। आज नालंदा विश्वविद्यालय एनईएससीओ द्वारा मान्यता प्राप्त एक वैश्विक धरोहर है।

मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राजमाता विजयाराजे सिंधिया के बारे में बताया कि राजमाता क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित थी। उन्होंने बच्चियों की शिक्षा के लिए ग्वालियर के जय विलास पैलेस में सिंधिया कन्या विद्यालय की शुरुआत की थी। आज वह विद्यालय देश के सबसे उच्च कन्या विद्यालयों में से एक है।

अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित लाइब्रेरी-जानकारी के अनुसार, लाइब्रेरी को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है, जिसमें वाई-फाई, कंप्यूटर, और डिजिटल लाइब्रेरी की सेवाएं उपलब्ध हैं। इसका उद्देश्य छात्रों को शैक्षणिक संसाधनों तक आसान पहुंच प्रदान करना है। इसमें एक समय में 40 बच्चे बैठ सकेंगे ।